INDEX

S.No	UNIT-I	PAGE NO.	SIGN.
1	Meaning and Concept of "Art" and "Art in Education"	Page No → 01	
2.	Understanding Aesthetics and it's education Relevance	Page No → 07	
3.	Art → (Visual and Performing)	Page No → 09	
4.	Drama	Page No → 10	
5.	Drama and Art as Pedagogy of Learning and Development	Page No → 11	
6.	Drama and Art Importance in Teaching-Learning	Page No → 13	
7.	Art and Drama in Different Subject at School Level	page No → 15	
8.	Range of Art Activity in Drama	page No → 18	
9.	Experiencing, Responding, and Appreciating Drama	page No → 20	
10.	Exposure to selective Basic Skills Required for Drama	Page No → 22	
11.	Drama; facilitating interest among Students planning and implementing Activities	page No → 24	
12.	Enhancing learning through Drama for Children with and without their Special Needs - Strategies and Adaptations	page No → 26	
	UNIT-II		
13.	Media and Electronic Arts	page No → 29	
14.	Range of Art Activities in Media and Electronic Art forms	page No → 30	
15.	Experiencing, Responding and Appreciating media and electronic Arts	page No → 31	
16.	Media and electronic art; facilitating interest among Students, planning and implementing activities	page No → 33	

To be Continued....

Scanned with CamScanner

S.NO.	TOPIC.	PAGE NO.	SIGN.
17.	Enhancing Learning through media and electronic art forms for children with and without Special Needs ; Strategies and Adaptation	page No → 35	
	OTHER		
18.	Dance → Kuchipudi dance → Manipuri dance → Odissi dance → Kathakali dance → Kathak dance	page No → 39 Page No → 40 page No → 41 page No → 41 page No → 42 page No → 43	
19.	Alphabets (A to Z)		
20.	Countings (1 to 10)		
21.	वर्णमाला ('अ' से 'ज्ञ' तक)		
22.	Paintings ☆ Pencil Colour Art ☆ Best out of waste painting ☆ Sea Painting ☆ Dry Colour painting ☆ Nature painting ☆ Woolen Art ☆ Coffee painting ☆ pencil Sketch painting ☆ Glass painting ☆ water Colour painting		

Scanned with CamScanner

Acknowledgement

I would like to express my special thanks of gratitude to my teacher__ for their able guidance and support in completing my project.

I would also like to extend my gratitude to the Principal ___ for providing me with all the facility that was required.

Date :

Student Name

Scanned with CamScanner

Assisgnment :

Date

Meaning and Concept of "Art" and "Art in education"

Meaning :-

कला दृश्य, श्रव्य एवं प्रदर्शनात्मक गतिविधि की एक विविध श्रेणी है, जो कलाकार के मौलिक विचारों, भावों, दृष्टिकोणों या दूसरे शब्दों में कहें तो उसके आत्म का मौलिक दर्पण अथवा प्रतिबिंम्ब है।

Concept :-

कला का संप्रत्यय किसी दृष्टांत के माध्यम से कलाकार के विचारों व भावों की अशाब्दिक, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष अभिव्यक्ति है, जिसे वह कला के विभिन्न माध्यमों /रूपों से प्रदर्शित करता है।

कला के संप्रत्यय के तहत "कला एक तरह का संप्रेषण है।" जहाँ कोई कलाकार प्रेषक की भूमिका निभाते हुए कला के विभिन्न माध्यमों के द्वारा अपने विचारों को ग्राहकता तक पहुंचाता है और ग्राहकता का हस्तपोषण जब तक प्रेषक को न मिल जाए वह सम्प्रेषण अधूरा रहता है। अर्थात् कला एवं सम्प्रेषण की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि कलाकार के विचार व भाव जो कला के माध्यम में संचित है वह दर्शक तक पहुँचे।

Pringle Classic

Teacher's Sign.

Scanned with CamScanner

Art Concept in Education

Art as a Subject in Education

Like...

- Drawing
- Supw
- Fine arts

etc...

Teaching is an Art

Like...

- A teacher should be a good communicator
- The teacher is an Artist.
- Creativity.

etc...

Scanned with CamScanner

Art Concept in Education :-

कला का शिक्षा के साथ दोहरा संबंध है। एक ओर,
1) कला एक विषय के रूप में शिक्षा का एक हिस्सा है। दूसरी ओर
2) शिक्षण स्वयं एक कला है।

दूसरे शब्दों में कहा जाए तो, आज की "बाल केंद्रित" शिक्षा के अंतर्गत तमाम मनोवैज्ञानिक शिक्षण विधियाँ, सिद्धांत आदि जो शिक्षण को अधिक प्रभावशाली बनाने हेतु विद्वानों द्वारा पेश किए गए अपने आप में शिक्षण की कला है। जो 'बाल केंद्रित शिक्षा' के उद्देश्य की सफलता के लिए प्रयास करती है।

इसके अनुसार शिक्षक एक कलाकार है जो शिक्षक की भूमिका निभा रहा है और विभिन्न प्रभावशाली बाल केंद्रित विधियों व तरीकों अथवा माध्यमों के द्वारा उसे प्राप्तकर्ता अर्थात विद्यार्थियों तक पहुँचाता है। और फिर विद्यार्थियों से मिलने वाली प्रतिपुष्टि ही शिक्षण अथवा शिक्षण रूपी कला की सफलता का साक्ष्य है।

अतः अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच निरंतर चलने वाली अंतःक्रिया ही शिक्षण है जिसे कला के विभिन्न रूपों अर्थात दृश्य-श्रव्य सामग्री तथा शिक्षण विधियों के माध्यम से प्रभावशाली बनाया जाता है।

कला में शिक्षा :-

कला स्वयं शिक्षा का एक विषय है, एक हिस्सा है। जिसमें - नृत्य, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला, वास्तुकला, हो या फिर चलचित्र बनाना आदि उपविषयों को 'कला' नामक विस्तृत विषय के अधीन शामिल किया जाता है।

प्राथमिक स्तर से ही कला को एक विषय के रूप में छात्रों को पढ़ाया जाता है और यह विषय उच्च स्तर तक बना रह सकता है। यहाँ तक कि, उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद भी कला के अधीन शामिल तमाम विषयों पर विश्वविद्यालय की ओर से विविध कार्स, डिप्लोमा व डिग्रीयों के अवसर खोले हुए हैं।

Scanned with CamScanner

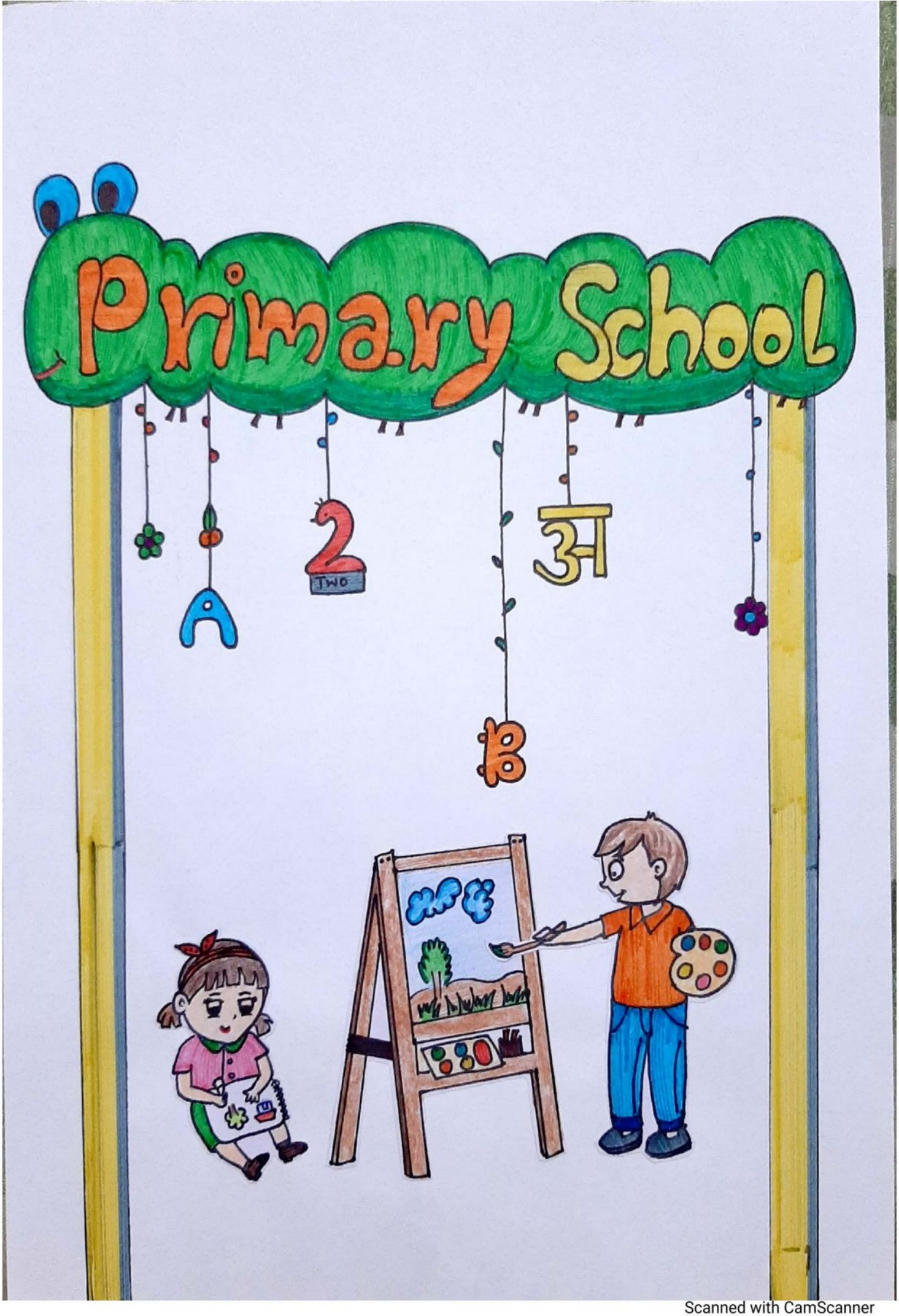

Scanned with CamScanner

शिक्षण बनाम कला :-

शिक्षण एक कला है जिसका आधार मनोविज्ञान है, क्योंकि कोई भी शिक्षण तब तक शिक्षण नहीं है जब तक वह विद्यार्थियों के व्यवहार में वांछित परिवर्तन न ला सके और शिक्षण के उद्देश्यों को प्राप्त न कर सके।

इसीलिए शिक्षण एक ऐसी कला एक ऐसा कौशल है जिसके लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता तो ठीक उसी प्रकार है जैसे किसी अन्य कला के साथ ही विद्यार्थियों के मनोविज्ञान, स्तर व आवश्यकताओं की भी भरपूर जानकारी होनी चाहिए। साथ ही शिक्षण रूपी कला किसी अध्यापक के व्यक्तिगत प्रयासों व तरीकों पर भी उतनी ही निर्भर करती है जितनी किसी मनोवैज्ञानिक विधि पर और इसी प्रकार... किसी अध्यापक का शिक्षण उसकी वह कला है जो उसके प्रशिक्षण से प्रभावित होकर विद्यार्थियों के साथ अंतः क्रिया व सम्प्रेषण को अर्थपूर्ण बनाती है

Art and education :-

प्राथमिक से लेकर उच्च स्तर तक शिक्षा में कला व कला में शिक्षा की प्रक्रिया क्रमशः विद्यार्थियों की ओर से और शिक्षक की ओर से निरंतर चलती ही रहती है। परंतु कला की प्रकृति व स्वरूप क्या होगा यह विद्यार्थियों के स्तर व मनोविज्ञान पर निर्भर करता है जैसे :-

प्राथमिक स्तर पर :-

प्राथमिक स्तर पर कला का योगदान दृश्य-श्रव्य सामग्री व स्पर्श सामग्री के रूप में विद्यार्थियों की ज्ञानेन्द्रियों को प्रभावित करने, उन्हें प्रत्यक्षीकरण करने योग्य बनाने व मानसिक को सक्रिय बनाने हेतु किया जाता है।

माध्यमिक व उच्च स्तर -

माध्यमिक व उच्च स्तर पर कला अधिगम का एक हिस्सा बन जाता है, जहाँ एक ओर कला एक विषय, प्रतियोगिता (Drawing Competition) व सहयोग

Scanned with CamScanner

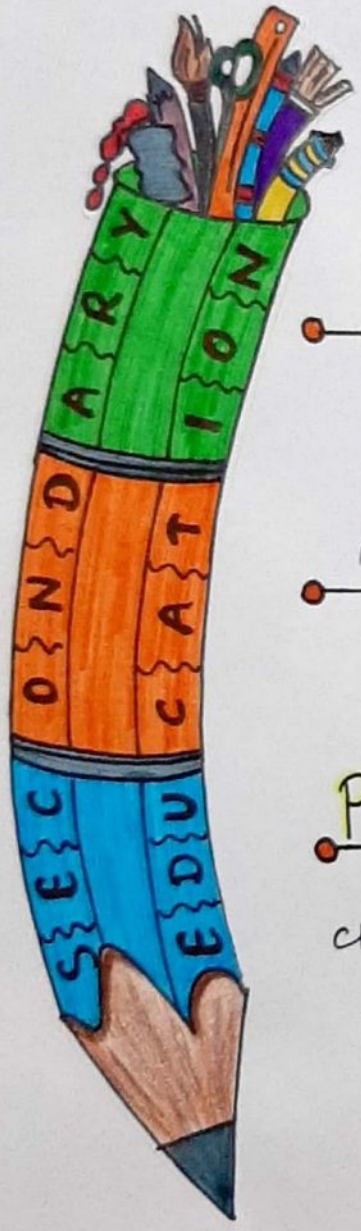

Site Visit for actual art.

Historical Sites - Lal. kila, Taj Mahal, India Gate. etc...
Geographical Sites - Mountains, rivers, Grounds. etc...
Political icons - Sarnath icon, India Gate. etc..

Artificial artistic models.

Globe, Map, paintings, Models, iconography, Animation, Sculptures etc..

practicle works.

Science practicle, Map making, Model Making, chart Making, drawing etc...

Scanned with CamScanner

(plays in Classroom) के रूप में जगह लेती है। वही Audio-visual Aid के रूप में अधिगम हेतु सहायक सामग्री के रूप में भी स्थान ग्रहण करती है।

माध्यमिक शिक्षा में कला की भूमिका :-

माध्यमिक स्तर पर कला की भूमिका प्रमुखता से सामाजिक विज्ञान के विषयों के शिक्षण अधिगम में होती है, क्योंकि भाषा, गणित, विज्ञान आदि विषयों में भी आंशिक रूप से कला महत्व रखती ही है। कला के शिक्षा में भूमिका को दो तरह से समझा जा सकता है।-

1. **वास्तविक कलात्मक नमूने :-**

विभिन्न विषयों से संबंधित वास्तविक कलात्मक नमूने इस श्रेणी में आते हैं जैसे - ऐतिहासिक स्थल, राजनीतिक इमारतें, भौगोलिक क्षेत्र आदि जो विद्यार्थियों के समक्ष पेश न कर विद्यार्थियों को इन वास्तविक नमूनों तक लाया जाता है।

2. **कृत्रिम कलात्मक नमूने व सामग्री :-**

सामाजिक विज्ञान हो या बाकी विषय जिन वास्तविक कला के नमूनों को कक्षा तक लाना संभव नहीं होता या अधिक खर्चीला होता है उनके कृत्रिम नमूनों मानचित्र, ग्लोब, चित्र, मॉडल, चलचित्र, व मिट्टी तथा पत्थर के नमूने इसमें शामिल हैं जिन्हें कक्षा में अधिगम को सरल, रुचिकर व स्पष्ट बनाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है।

इसी प्रकार अंग्रेजी व हिंदी जैसे विषयों में संवाद अर्थात् नाटक के रूप में ढाले जा सकने वाले पाठों, कहानियों आदि को कक्षा में प्रदर्शनात्मक कला अर्थात् नाटक के माध्यम से पेश कर ज्ञानेन्द्रियों से मस्तिष्क तक पहुंचाया जाता है। और अधिगम को प्रभावित किया जाता है।

माध्यमिक स्तर पर कला का प्रभाव :-

कला व शिक्षा के इस अनूठे संबंध के प्रभाव को विभिन्न रूपों में देखा जा

Scanned with CamScanner

Charts

Wall posters

Art Activities

Classroom decoration

Educational paintings on Walls

Attractive Notice Board

freedom fighter's paintings on corridor wall

Well Organised School Building

Scanned with CamScanner

सकता है।:-

- शिक्षण को प्रभावशाली बनाता है।
- अधिगम को प्रभावशाली बनाता है।
- अधिगम को स्थाई बनाता है।
- अधिगम को स्पष्ट बनाता है।
- अधिगम को प्रत्यक्ष बनाता है।
- अधिगम को रोचक बनाता है।
- अधिगम को मनोरंजक बनाता है।
- शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को मनोवैज्ञानिक बनाता है।
- शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में एक उद्दीपक की भाँती कार्य करता है।
- शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सहायक-सामग्री की भाँती है।
- कक्षा के वातावरण को जीवंत बनाने में सहायक है।
- विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास में सहायक है।
- सभी विषयों की पूर्णतः, आंशत व आंशिक रूप से सहायक सामग्री है।

विद्यालय एंव शिक्षा :-

कला का विद्यालय के साथ गहरा संबंध है जहाँ एक ओर कला विद्यालय को प्रभावित करती है वहीं इसकी ओर विद्यालय के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रभावित करती है।-

1 विद्यालय पर प्रभाव :-

कला का कोई भी रूप हो- चित्रकला, मृतिकला या वास्तुकला विद्यालय को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। जहाँ स्वयं विद्यालय की इमारत वास्तुकला से प्रभावित है वही मृतिकला विद्यालय के भीतर सज्जावटी व आवश्यकता की दृष्टि से देखी जा सकती है जैसे- गाँधी जी, अम्बेडकर जी, नेहरू जी जैसे तमाम आदर्श व्यक्तियों की मूर्तियां विद्यालयों में लगने से विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना का विकास होता है। तीसरा, चित्रकला या रेखाचित्र सज्जावट, प्रेरणास्रोत, नैतिक व सामाजिक दृष्टि से जगह-जगह लगाने से विद्यालय की शोभा व विद्यार्थियों

Scanned with CamScanner

की रुचि व आकर्षण बनाती है।

2. विद्यालय के माध्यम से विद्यार्थियों पर प्रभाव :-

विद्यालय के माध्यम से कला विद्यार्थियों को भी प्रभावित करती है जैसे।

- विद्यालय मे होने वाले नृत्य प्रतियोगिताऐं।
- विद्यालय मे होने वाली चित्रकला प्रतियोगिताऐं।
- विद्यालय मे होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- विद्यालय मे लगे चित्र, रेखाचित्र, मूर्तियाँ आदि जो विद्यार्थियों के लिए उद्दीपक का कार्य करती हों।
- विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कला के विषय।
- विद्यालय द्वारा छपवाई जाने वाली पत्रिकाऐं।

उपरोक्त गतिविधियों मे विद्यालय के छात्र बढ़चढ़ कर भाग लेते है और तमाम प्रतियोगिताओं मे कला मुख्य केंद्र के रूप मे होता है और विद्यार्थियों को प्रभावित करता है।

Scanned with CamScanner

Aesthetics

सौन्दर्यशास्त्र से अभिप्राय है, सौन्दर्य का दर्शन व कला का अध्ययन। सौन्दर्यशास्त्र व्यक्ति व उसकी ज्ञानेन्द्रियों को प्रभावित करता है और उसके भावों से संबंध स्थापित करता है।

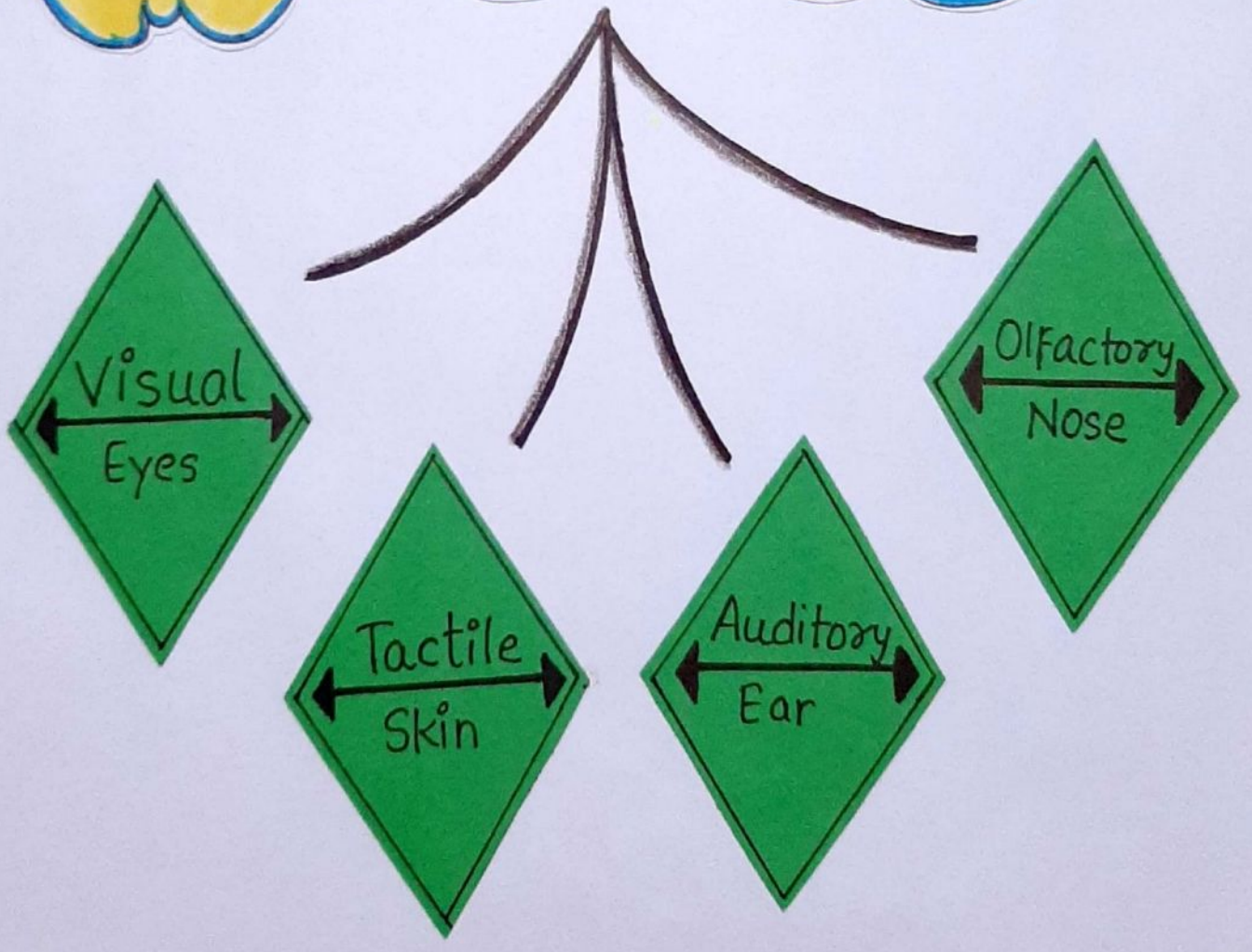

Scanned with CamScanner

Understanding Aesthetics and it's education Relevance

Meaning :-

सौन्दर्यशास्त्र से तात्पर्य है सौन्दर्य का अध्ययन व कला का दर्शन। अर्थात् एक ऐसा अध्ययन जहां व्यक्ति कला के अर्थ, महत्व व उद्देश्यों को तो समझता ही है साथ ही उसका सौन्दर्य की अनुभूति भी करता है।

एक तरह से कहा जा सकता है, कि सौन्दर्यशास्त्र व्यक्ति, उसकी ज्ञानेन्द्रियों व उसके भावों के बीच संबंध स्थापित कर मस्तिष्क को प्रभावित करने का माध्यम है जिसमें :-

Visual - जिसे देखने से आंखे प्रभावित होकर सौन्दर्य का आभास करती है। (आंखे)

Tactile - जिसे छूने से उसके सौन्दर्य की अनुभूति हो। (त्वचा)

Auditory - जिसकी आवाज कानों के माध्यम से व्यक्ति को सौंदर्य का आभास करवाए। (कान)

Olfactory - जिसकी सुगंध से उसके सौंदर्य की अनुभूति हो। (नाक)

Role of Aesthetics in education :-

शिक्षा के संदर्भ में सौंदर्यशास्त्र की बात की जाए तो, कहा जा सकता है कि सौन्दर्यशास्त्र से तात्पर्य है उस अधिगम से जो विद्यार्थियों की ज्ञानेंद्रियों को उस प्रकार प्रभावित करे कि सीखना उनके लिए मनोरंजक व सरल बन जाए। इस प्रकार का अधिगम विद्यार्थियों के लिए रुचिकर व स्पष्ट अधिगम होता है।

Scanned with CamScanner

शिक्षा के क्षेत्र में दृश्य - श्रव्य सामग्री को इस श्रेणी में डाला जा सकता है। अर्थात् प्रत्येक वह चीज जो विद्यार्थी की ज्ञानेन्द्रियों को प्रभावित करते हुए उसके अधिगम को प्रभावित करती है सकारात्मक रूप से। वह सौन्दर्यात्मकता का स्वरूप है।

Steps for aesthetics learning:-

आधिगम के सौन्दर्यात्मक पक्ष की प्रभावपूर्ण सफलता के लिए कुछ सोपानों का अनुसरण करना जरूरी हो जाता है जैसे :-

(I) **सौन्दर्य की पहचान** :- जब विद्यार्थी ज्ञानेन्द्रियों के माध्यम से किसी सौन्दर्यात्मक अनुदेशनात्मक सामग्री व उद्दीपक का प्रत्यक्षीकरण करता है।

(II) **सौन्दर्य का अनुभव** :- जब विद्यार्थी उस सौन्दर्यात्मक, अनुदेशनात्मक सामग्री व उद्दीपक से उसके भाव, विचार आदि ग्रहण कर कुछ सीखता है वह उसका अनुभव बन जाता है।

(III) **रचनात्मक क्षमताएं** :- उपरोक्त सोपान के फलस्वरूप विद्यार्थी में कुछ रचनात्मक क्षमता का संचयन होता है, जो एक तरह से विद्यार्थी के सौन्दर्यात्मक अधिगम के प्रतिबिंब के रूप में होता है।

(IV) **सौन्दर्यशास्त्रिय गुणों का मूल्यांकन** :- अन्त में विद्यार्थी के सौन्दर्यात्मक आधिगम व रचनात्मक क्षमता का मूल्यांकन होता है जो उसके सौन्दर्यशास्त्रिय गुणों व किसी सौन्दर्यात्मक सामग्री से सौन्दर्य के गुणों को ग्रहण करने की क्षमता का मूल्यांकन होता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Art → (Visual & Performing)

कला किसी व्यक्ति के मौलिक भावों, विचारों, दृष्टिकोण का सृजनात्मक निर्माण कहा जा सकता है, जिसमें Visual, Audio and Performing art को शामिल किया जा सकता है।

Visual Art :-

Visual art से अभिप्राय ऐसी कला से है, जो सीधे आँखों को प्रभावित करती है। इसमें मुख्यतः-

- ☆ Fine art
- ☆ drawing
- ☆ Sketching
- ☆ Sculpture
- ☆ painting
- ☆ computer graphics
- ☆ animation (Silent) आदि को शामिल किया जा सकता है।

Performing Art :-

Performing Art से अभिप्राय ऐसी कला से है जो सीधे आँखों को प्रभावित तो करती ही है साथ ही इसे कभी-कभी सुना भी जा सकता है। इसमें मुख्यतः

- ☆ Dance
- ☆ Music
- ☆ puppet show
- ☆ Drama आदि को शामिल किया जा सकता है।

Pringle Classic
Teacher's Sign.
Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Drama

Drama performing art का ऐसा अंश है जो संवाद व प्रदर्शन के माध्यम से काल्पनिक प्रतिनिधित्व का एक तरीका है। नाटक किसी कहानी को संवाद में तब्दील कर उसका प्रदर्शन करने की प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से कई पात्र अपने सहयोग के द्वारा किसी विचार, भाव आदि को दर्शकों तक पहुँचाने का प्रयास करते हैं और इसके लेखक को Dramatist या Playwright कहा जाता है।

Drama की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि, इसे पढ़ने के लिए नहीं लिखा जाता अपितु प्रदर्शन करने के लिखा जाता है।

Types of drama :-

(I) **Comedy :-** Comedy drama टोन में काफी हल्के, हमेशा सुखमय होते हैं और इसमें Dramatist का उद्देश्य दर्शकों को हँसाना होता है।

(II) **Tragedy :-** Tragedy drama में विषय हमेशा दर्द, दुख व आपदा जैसे मुद्दों से जुड़े होते हैं जो दर्शकों को भावात्मक रूप से प्रभावित करते हैं।

(III) **Farce :-** Farce drama मुख्यतः बेतुकी परिस्थितियों से परिपूर्ण हास्यजनक नाटक होते हैं।

(IV) **Melodrama :-** Melodrama सीधे तौर पर दर्शकों की ज्ञानेन्द्रियों को प्रभावित करता है।

(V) **Musical Drama :-** Musical Drama में dramatist संवाद व प्रदर्शन के माध्यम से केवल कहानी ही नहीं बताता बल्कि उसे संगीत व नृत्य के साथ पेश किया जाता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Assisgnment : Date

Drama and Art as pedagogy of Learning and Development

Dawson and Lee ने 2016 में कहा कि Drama Based Pedagogy (DBP) के तहत पाठ्यक्रम के सभी क्षेत्रों में सौन्दर्य व अर्थनिर्माण के द्वारा ज्ञानात्मक, भावात्मक व क्रियात्मक पक्ष के विकास के साथ अधिगम में संलग्नता के लिए सक्रिय व नाटक आधारित माध्यम का इस्तेमाल किया जाता है।

DBP एक तरह से कई teaching tools का संगम है जहाँ dialogue, theatre, emage work and role work etc. मिलकर कक्षा के पाठ्यक्रम की पेशगी करते हैं।

American alliance of theatre and education (AATE) ने "Drama Based learning" Strategies (including - creative drama and drama in education) को परिभाषित किया जिसमें "प्रतिभागी कल्पना करते हैं और मानविय अनुभवों को किसी के नेतृत्व में रहकर विभिन्न भूमिकाओं के माध्यम से प्रतिबिंबित करते हैं।"

Drama Based Pedagogy के लिए कई ऐसी पद हैं, जैसे :-

- Creative drama
- Informal drama
- Creative play Acting
- Improvisational drama
- Educational drama

Scanned with CamScanner

Language Skills

Imagination

Creative Skill

leadership

Communication

problem Solving

Decision Making

Team-work

Roll playing

learning by doing

Scanned with CamScanner

- Role drama
- Process drama

DBP and Constructivism :-

निर्मितिवाद का सिद्धांत जिस प्रकार शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक के मार्गदर्शन के साथ विद्यार्थियों के द्वारा -
करके सीखने के सिद्धांत
स्वयं ज्ञान के रचयिता के सिद्धांत व
समूह अध्ययन के सिद्धांत
पर जोर देता है, उसपर Drama Based Pedagogy पूर्णतः खरी उतरती है और उपरोक्त वह महत्त्वपूर्ण विशेषताओं का अनुसरण करती है।

DBP and Skills :-

Drama Based Pedagogy निम्न कौशलों के विकास में सहायक है :-

- भाषाई व सम्प्रेषण कौशल।
- समस्या समाधान व चिंतन शक्ति कौशल।
- निर्णय लेने की योग्यता।
- कल्पना शक्ति व रचनात्मक योग्यता का विकास।
- सहयोगात्मक कौशल।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Drama and Art Importance in Teaching - Learning

Drama and Art की अहमियत शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया में निर्णायक है, जो "Child Centered education" की सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है और शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया को उद्देश्यपूर्ण व अर्थपूर्ण बनाती है। जैसे :-

(I) **संज्ञानात्मक विकास** :-
कला व नाटक के माध्यम से शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया से विद्यार्थियों में संज्ञानात्मक विकास होता है क्योंकि इनमें केवल विद्यार्थी पाठ्य-सामग्री को पढ़ते ही नहीं हैं, अपितु उन्हें कला के विभिन्न रूपों व नाटक के माध्यम से समझते हैं जो उनके संज्ञानात्मक विकास में सहायक है।

(II) **प्रत्यक्ष व स्थाई ज्ञान** :-
क्योंकि कला व नाटक सीधे तौर पर विद्यार्थियों की ज्ञानेन्द्रियों को प्रभावित करते हैं अतः प्रत्यक्षीकरण के माध्यम से सीखने का अवसर उन्हें प्राप्त होता है, इसीलिए उनमें ज्ञान स्थाई होता है।

(III) **प्रत्येक स्तर के लिए उपयोगी** :-
नाटक व कला का शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया में प्रत्यक्षीकरण के रूप में भूमिका निभाने के कारण इसे प्राथमिक से उच्च स्तर तक इस्तेमाल किया जा सकता है, और साथ ही यह उपयोगी भी सिद्ध होता है।

Scanned with CamScanner

(IV) **आत्म विश्वास का संचयन :-** किसी पाठ, कहानी या लेख को नाटक के रूप में परिवर्तित कर उसके प्रदर्शन के द्वारा विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का संचयन होता है।

(V) **करके सीखना पर आधारित :-** नाटक व कला पर आधारित शिक्षण-अधिगम करके सीखना के सिद्धांत का समर्थन करता है जिससे अधिगम स्थाई बनता है।

(VI) **रचनात्मक व चिंतन शक्ति का विकास :-** नाटक व कला के माध्यम से विद्यार्थियों में मौलिकता का विकास होता है जो उनमें रचनात्मक, व सृजनात्मक योग्यता का विकास करता है।

(VII) **भावात्मक विकास :-** नाटक व कला के माध्यम से कलाकार के भाव व विचार दर्शकों तक पहुँचते हैं जो दर्शकों / विद्यार्थियों में भावात्मक विकास को सुनिश्चित करता है।

(VIII) **मनोदैहिक रूप से सक्रियता :-** नाटक का प्रदर्शन करने वाले वाले विद्यार्थी शारीरिक व मानसिक रूप से अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय रहते हैं। और दर्शक विद्यार्थी भी मानसिक रूप से सक्रिय रहते हैं।

(IX) **मनोरंजन का माध्यम :-** कला व नाटक विद्यार्थियों के लिए मनोरंजन का माध्यम बनकर उनके अधिगम को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है।

Scanned with CamScanner

Art & Drama in Different Subject's

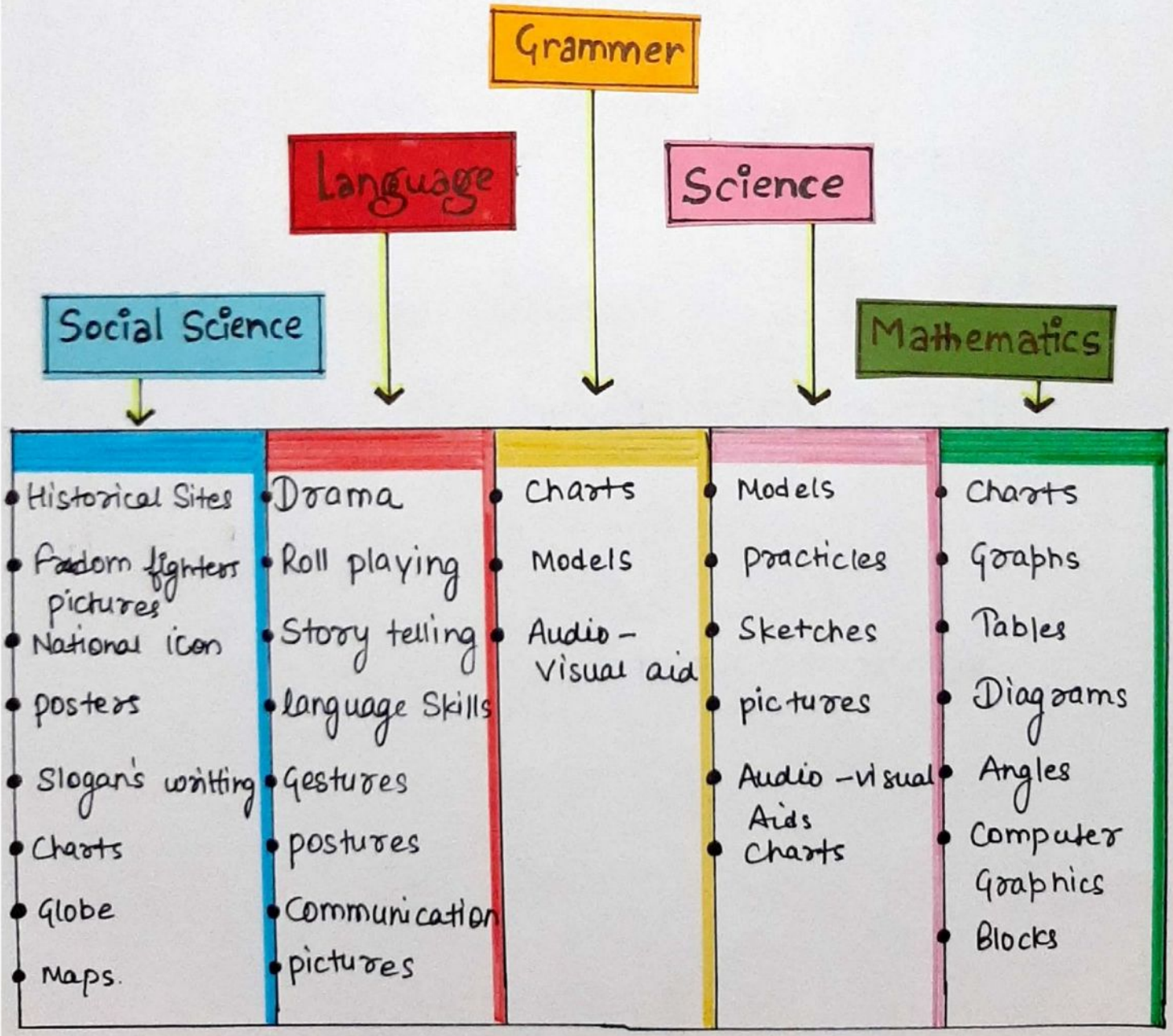

Scanned with CamScanner

Assisgnment :

Date

Art and Drama in different Subject at School level

नाटक व कला एक ऐसे Stimulation है जो विद्यार्थियों व उनके अधिगम को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है और एक अधिगम अनुकूल Child Centered environment तैयार करने में भूमिका निभाता है।

विद्यालयी स्तर पर विभिन्न विषयों के शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में कला व नाटक को Audio - Visual Aid अर्थात् सहायक सामग्री व प्रदर्शनात्मक विधि के रूप में देखा जा सकता है। जहाँ तक बात है नाटक की तो प्रदर्शनात्मक विधि का अनुसरण करते हुए शिक्षक अपने मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक, भावात्मक व क्रियात्मक रूप से सक्रिय रखता है, जिससे विद्यार्थी उपविषय के प्रति तो एक अच्छी, स्पष्ट व स्थाई समझ बनाने में सफल तो हो ही पाते हैं साथ ही उनका सर्वांगीण विकास भी होता है।

नाटक व कला शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया में एक मनोवैज्ञानिक विधि है।

At Secondary Level :-

माध्यमिक स्तर पर विभिन्न विषयों को कला व नाटक के माध्यम से पढ़ाने का प्रयास किया जाता है जैसे :-

Social Science :- सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है,

Scanned with CamScanner

जिसमें नाटक व कला का विस्तृत रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

- ★ इतिहास की दृष्टि से चित्रकला, ऐतिहासिक वास्तुकला, मूर्तिकला, मानचित्र, ऐतिहासिक स्थल, पुरातात्विक स्त्रोत व उनके रेखाचित्रों का इस्तेमाल कला के महत्व को प्रदर्शित करता है।
- ★ राजनीतिक विज्ञान के क्षेत्र में रेखाचित्र, मानचित्र, राजनीतिक इमारतों, राष्ट्रीय चिन्हों व उनके पाठ्यपुस्तक में चित्रों के रूप में कला की भूमिका है।
- ★ भूगोल की बात करें तो ग्लोब, मॉडल, भौगोलिक मैदानों के चित्र, नदियों के चित्र, मानचित्र आदि के रूप में कला का महत्व है।
- ★ शास्त्रिय संगीत व नृत्य की विडियो, ऑडियो व चित्र आदि प्राचीन संस्कृति के शिक्षण में सहायक है।

Language :- भाषा चाहे अंग्रेजी हो या हिंदी दोनों में ही गद्य, पद्य, कहानी, संवाद आदि जैसी साहित्यिक विधाएँ पढ़ाई जाती हैं और इन्हें नाटक के माध्यम से अधिक रुचिपूर्ण व प्रभावशाली ढंग से पढ़ाया जा सकता है।

Grammer :- व्याकरण शिक्षण में चार्ट, मॉडल, रेखाचित्रों की अहमियत सहायक सामग्री के रूप में बढ़ जाती है।

Science :- विज्ञान शिक्षण में प्रयोगात्मक विधि से दृश्य कला - चार्ट, मॉडल, व रेखाचित्रों के योगदान के साथ प्रदर्शनात्मक प्रयोगों का महत्व बढ़ जाता है।

Maths :- गणित के शिक्षण को चार्ट व रेखाचित्रों के सहारे से पढ़ाया जा सकता है। जो मुख्यतः सूत्रों को स्मरण रखने हेतु काम आते हैं।

Scanned with CamScanner

Assignment: Date

अतः कला का प्रयोग जहाँ सामाजिक विज्ञान के अधिकांश हिस्से में होता है वहीं भाषाई विषयों के क्षेत्र में कुछ साहित्यिक विधाएँ नाटक के माध्यम से तो कुछ चित्रों, रेखाचित्रों, चार्ट व मॉडल के माध्यम से पढ़ाई जा सकती है मगर गणित व विज्ञान विषयों में प्रयोग का जितना स्थान है संभवतः उतना कला व नाटक का नहीं है सूत्रों को रटने भर के लिए भले ही चार्ट का सहारा लिया जा सकता है अन्यथा प्रयोग ही गणित व विज्ञान विषयों के लिए लाभप्रद होते हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Range of art Activity in Drama

Drama स्वयं कला के एक हिस्से के रूप में है जिसे Performing art में शामिल किया जाता है। वहीं दूसरे तरीके से देखा जाए तो Drama स्वयं अपने-आप में कई कौशलों व कलाओं को समेटे हुए है।

कहा जा सकता है कि नाटक आधारित शिक्षण-अधिगम कई कौशलों की माँग करता है, जो अपने आप में किसी कला से कम नहीं है।

(I) **Script** :-

Dramatist किसी लेख को इस प्रकार लिखना आवश्यक है कि उसे पढ़ने की बजाए अभिनीत किया जा सके। वाक्यों का आम भाषा के शब्दों से निर्माण किया जाए, जो त्रुटिरहित हो।

(II) **Dialogue** :-

Drama के पात्रों में संवादों को ज्यों लिखा त्यों अभिनीत करने की योग्यता व कला होना आवश्यक है।

(III) **Gesture and Posture** :-

Drama के पात्रों में अपने पात्र के व्यक्तित्व, परिस्थिति या व्यवहार आदि के अनुकूल हावभाव, अंग संचालन करने की कला होनी चाहिए। पात्रों के व्यक्तित्व को अपनाते हुए नाटक और भी यथार्थ प्रतीत होता है।

(IV) **Sangeet** :-

Drama में Background music और भी जीवंतता नाटक में भर देता है, साथ ही यह music

Scanned with CamScanner

किसी पात्र व परिस्थिति के अनुकूल होना चाहिए। जैसे Tragedy व Comedy के नाटक के Background music परस्पर एक दूसरे से भिन्न सुर, ध्वनि के होते है।

(V) **Architecture** :- किसी भी नाटक की प्रस्तुति दर्शकों की तुलना में ऊंचे मंच पर की जाती है। (ताकि सभी दर्शक उसका लुफ्त उठा सके) इस तरह का मंच कितना ऊंचा और कैसे बनाया जाए। या फिर कभी-कभी बड़े स्तर के नाटकों में पूरा सेट बनाया जाता है वह वास्तुकला के योग्यता की मांग करता है।

(VI) **Painting** :- Drama के मंच व सेट को यथार्थवाद के करीब लाने के लिए painting के माध्यम से (पर्दो पर या दीवार पर) Background तैयार किया जाता है।

Scanned with CamScanner

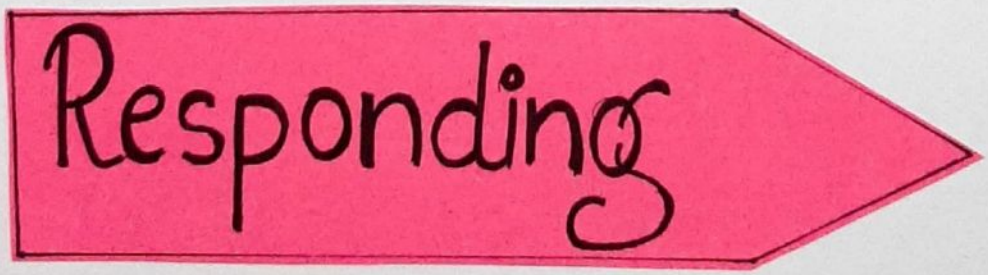

Scanned with CamScanner

Experiencing, Responding and Appreciating Drama

Experiencing Drama

Drama को Experience करने से तात्पर्य Drama के माध्यम से किए जाने वाले अधिगम से है।

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में नाटक के द्वारा विद्यार्थी किसी अन्य पात्र के व्यक्तित्व व उसकी परिस्थितियों को जीता है, और उस Temporary life as Role playing के माध्यम से वह उस पात्र के जीवन व परिस्थितियों का अनुभव करता है।

इस प्रकार विद्यार्थी जीवन के कई व्यवहारिक पक्षों का अनुभव करने का अवसर Drama Based Teaching-Learning के माध्यम से प्राप्त कर पाता है जो संभवतः वह अपने वास्तविक जीवन में शायद अनुभव नहीं कर पाता।

Responding Drama

Responding Drama से तात्पर्य है कि Drama Based learning के तत्पश्चात विद्यार्थी ने जो भी अनुभव से सीखा उसपर उसकी क्या प्रतिक्रिया है अर्थात् जिस प्रकार शिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी के व्यवहार में परिवर्तन लाना है उसी प्रकार drama Based teaching-learning के विद्यार्थी के व्यवहार में क्या वांछित परिवर्तन व किस हद तक परिवर्तन आता है जो उसके व्यवहार में प्रत्यक्ष होता है उसे Responding drama

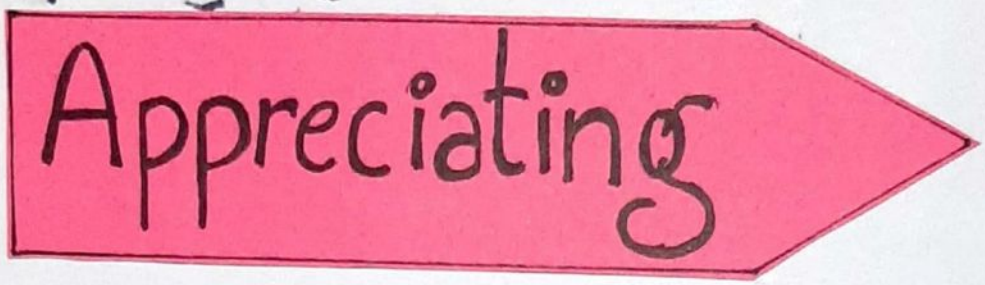

Scanned with CamScanner

चाहा जा सकता है।

Dramatist के द्वारा कोई ऐसा केंद्र बिंदु Drama के लिए तय किया जाता है जो परिवर्तन वह दर्शकों में देखना चाहता है और दर्शकों व पात्रों में वांछित व्यवहार परिवर्तन व प्रतिक्रिया ही उसके लिए Feedback का काम करता है।

Appreciating Drama

Drama Based teaching - learning process के outcomes के रूप में यदि वांछित व्यवहार परिवर्तन देखे जाते हैं तो निश्चित: इस तरह के शिक्षण को सराहा जाता है।

Drama Based teaching - learning में व्याप्त गुण समान:-

- रचनात्मकता
- प्रत्यक्षता
- मनोरंजक
- आकर्षक
- दृश्य + श्रव्य
- व्यावहारिक व भावात्मक पक्ष
- मानसिक विकास
- शारीरिक विकास
- सहयोगात्मकता
- विद्यार्थियों की सक्रियता

आदि होने के कारण आज के Child Centered education के लिए यह फायदेमंद सिद्ध होती है इसीलिए इस तरह की प्रदर्शनात्मक कला को शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया में एक उत्तम विधि मानते हुए सराहा जा सकता है।

Scanned with CamScanner

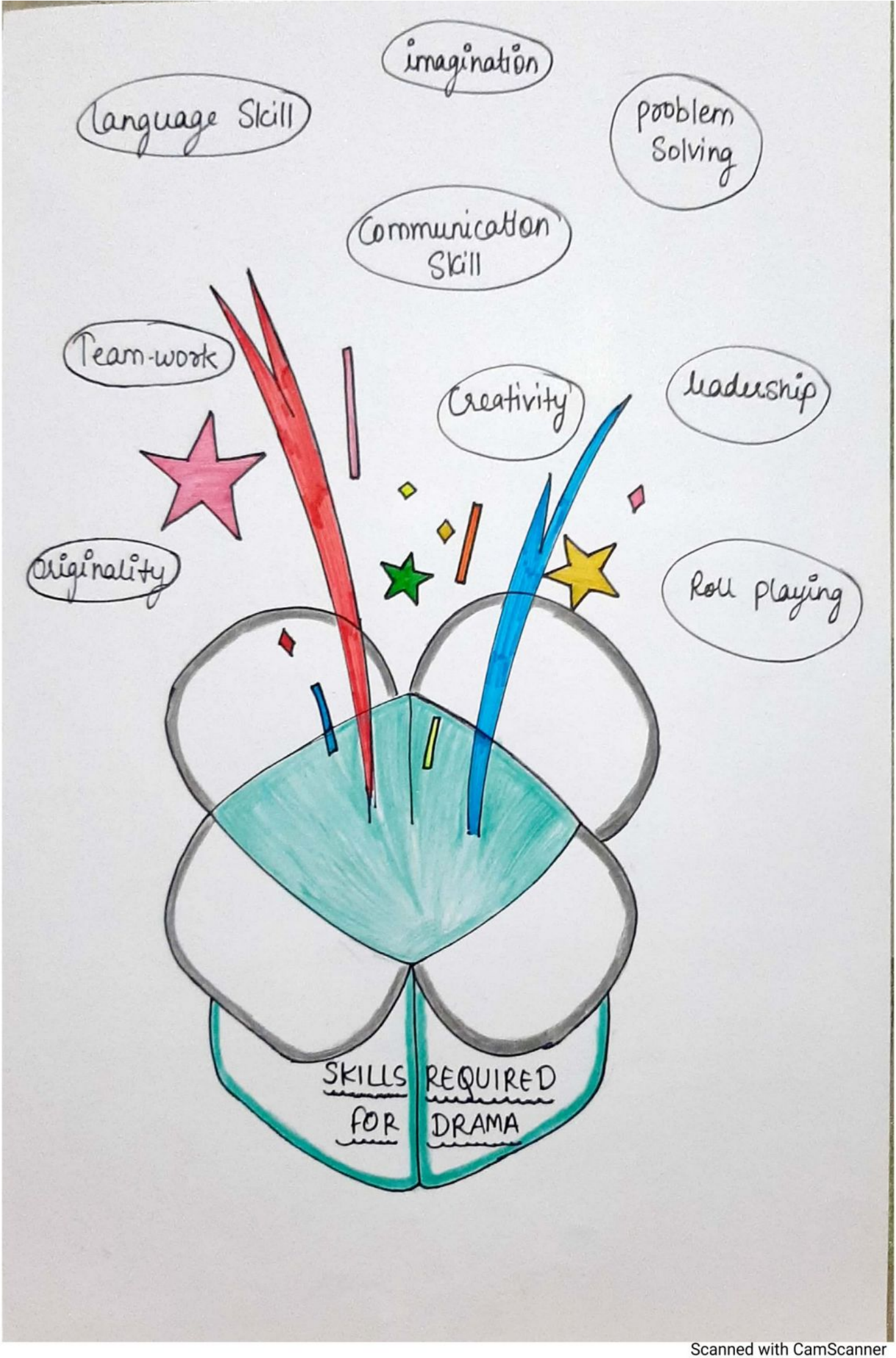

Scanned with CamScanner

Exposure to Selective basic Skill Required for Drama

Drama Based teaching - learning process के लिए कुछ कौशलों का होना आवश्यक है जैसे :-

भाषाई कौशल :- नाटक लिखने के लिए नाटककार के लिए जिस प्रकार भाषाई कौशल का होना आवश्यक है अर्थात् लेखन कौशल का उसी प्रकार पात्रों के भाषाई कौशल में मौखिक कौशल पर पूरा अधिकार होना चाहिए।

संप्रेषण कौशल :- नाटककार व पात्रों दोनों का संप्रेषण कौशल उच्च कोटी का होना चाहिए। क्योंकि जब तक दर्शक नाटक के मूल भाव, विचार व संदेश ही ग्रहण नहीं कर पाएंगे तो नाटक की प्रसांगिकता पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा।

शारीरिक कुशलता :- पात्रों की भूमिका निभाने वाले विद्यार्थियों की शारीरिक कुशलता अर्थात् मांसपेशियों में सुडौलता होनी चाहिए ताकि पात्र की भूमिका अनुसार अंगों का संचालन किया जा सके।

समस्या समाधान कौशल :- Drama Based teaching-learning के लिए समस्या समाधान कौशल का होना आवश्यक है ताकि बिना किसी त्रुटि के सुगमता से नाटक व शिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सके।

Scanned with CamScanner

मौलिकता :- नाटक लिखने वाले नाटककार व अभिनीत करने वाले पात्रों में मौलिकता का होना बेहद आवश्यक है। क्योंकि कला के महत्वपूर्ण तत्वों में मौलिकता का स्थान महत्वपूर्ण है।

अभिनय :- नाटक अभिनय पर आधारित प्रदर्शनात्मक कला है। इसमें पात्रों का अभिनय कौशल उच्च होना चाहिए ताकि नाटक यथार्थ महसूस हो। और दर्शकों के लिए रुचिपूर्ण हो।

प्रस्तुतीकरण कौशल :- नाटक के प्रभावी प्रदर्शन के लिए प्रस्तुतीकरण कौशल का होना आवश्यक है कि, कि प्रकार नाटक को प्रदर्शित अथवा प्रस्तुत किया जाए कि दर्शकों को आकर्षित किया जा सके।

Scanned with CamScanner

Drama ; Facilitating interest among students Planning and implementing Activities

Drama Based teaching एक ऐसा "शिक्षा का विज्ञान" या शिक्षणशास्त्र है। जिसके तहत पहले योजना बनाई जाती है और फिर बाद में उस योजना को लागु किया जाता है

Planning to implementing

Pre Drama :-

Pre drama स्तर से तात्पर्य है कि ड्रामा से पूर्व उसे नियोजित किया जाता है कि :-

- ✩ विषय क्या होगा ?
- ✩ उद्देश्य क्या होंगे ?
- ✩ नाटक किस संदर्भ में होगा ?
- ✩ नाटक के पात्रों की संख्या ?
- ✩ नाटक का स्वरूप व संरचना क्या होगी ?
- ✩ सहायक सामग्री क्या होगी ?

आदि सवालों के जवाब नियोजित किए जाते हैं।

Drama :-

Pre drama Stage पर नियोजित संरचना के अनुसार ही पुरा ड्रामा अभिनीत व प्रस्तुत किया जाता है, ताकि पूर्व नियोजित ड्रामा के व शिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सके।

Scanned with CamScanner

Topic _____ Date _____

Post Drama :-

Post drama Stage एक तरह से feedback की Stage होती है, कि pre Stage में जो भी उद्देश्य निर्धारित किए गए थे क्या वास्तव में दर्शकों का feedback उन उद्देश्यों की प्राप्ति को प्रदर्शित करता है।

दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि Dramatist जिन वांछित मूल संदेश व मूल भावों को नाटक के केंद्र में रखता है क्या वह दर्शकों तक पहुँच पाया है।

शिक्षण अधिगम की दृष्टि से अध्यापक द्वारा नाटक अभिनीत करवाने के लिए जो उद्देश्य या शिक्षण सामग्री निर्धारित की गई थी क्या विद्यार्थी वास्तव में उसे ग्रहण कर पाए हैं यह देखा जाता है जिसके लिए एक अध्यापक औपचारिक व अनौपचारिक रूप से विद्यार्थियों का मूल्यांकन करता है।

1) विद्यार्थियों से नाटक के बाद संबंधित सवाल पूछे जा सकते हैं।
2) विद्यार्थियों के व्यवहार परिवर्तन का अवलोकन किया जा सकता है जिसमें नाटक द्वारा दी सीख उनके व्यवहार में प्रत्यक्ष होती है।

अतः इस प्रकार नियोजन से लेकर उसे लागू करने तक कि प्रक्रिया को विद्यार्थियों के लिए मनोरंजक व रोचक बनाने का पूरा प्रयास किया जाता है, इसीलिए इसे drama based Pedagogy कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

Education With Drama & Art in Education

VS

Without Drama and Art in Education

Scanned with CamScanner

Enhancing Learning through Drama for Children with and without Special Needs strategies and Adaptation

Drama एक Stimulus व Audio-visual Aid के रूप में है, जिसके माध्यम से व्यक्तिगत विभिन्नता के सिद्धांत का अनुपालन करना सरल हो जाता है क्योंकि यह आँखों व कानों दोनों इन्द्रियों को साथ साथ प्रभावित करने वाली प्रदर्शनात्मक कला तो है ही साथ ही पाठ के मूक भावों को भी प्रदर्शित करती है। जिसके कारण कक्षा के सामान्य व विशिष्ट बालकों को एक साथ लेकर चला जा सकता है।

Childrens and their Needs:-

सामान्य बालकों की बात जब की जाती है तो मुख्यतः 70-140 के बीच I.Q. वाले बालकों को गिना जाता है। मगर ऐसे विद्यार्थी भी कक्षा में काफी होते हैं जो सीधे पाठ को मात्र पढ़ने भर से समझ नहीं पाते। क्योंकि सभी विद्यार्थियों की बोध स्तर भिन्न हो सकता है।

एक अध्यापक का कर्तव्य है कि वह व्यक्तिगत भिन्नता के सिद्धांत के मद्देनजर कक्षा के प्रत्येक बालक को पाठ के मूल संदेश, भाव व विचार से परिचित करवाए। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि कक्षा का शत प्रतिशत परिणाम एक अध्यापक का लक्ष्य होना चाहिए।

ऐसे में लक्ष्य प्राप्ति के लिए विभिन्न Aids व Stimulus का इस्तेमाल किया जाता है, जिनमे से एक Drama है, जो

Scanned with CamScanner

ENHANCING LEARNING THROUGH DRAMA & ART

Formal Education

- Curriculum
- Subjects
- Topics.

etc...

Informal Education

- Problem Solving Skill
- Communication Skill
  - Verbal
  - Non-Verbal
- Language Skill
- Creativity.
- Presentation Skill

etc...

Scanned with CamScanner

जो सीधे तौर पर विद्यार्थियों की इंद्रियों व मस्तिष्क को प्रभावित करता है। इसीलिए औपचारिक व अनौपचारिक दोनों अधिगम में Drama Based Teaching महत्वपूर्ण साबित होती है। जैसे:-

औपचारिक अधिगम :-

जिस विषय या उपविषय को नाटक के रूप में परिवर्तित कर अभिनीत किया जा रहा है, उस समय शिक्षण व नाटक दोनों के उद्देश्य एक हो जाते हैं और पाठ का नाटक के माध्यम से अधिगम ही औपचारिक अधिगम कहलाता है। इसकी प्रतिपुष्टि मूल्यांकन के माध्यम से होती है। अर्थात विद्यार्थियों से पाठ से संबंधित सवाल पूछे जाते हैं- मौखिक या लिखित रूप में और उनके उत्तरों के रूप में ही नाटक शिक्षण की प्रतिपुष्टि होती है।

अनौपचारिक अधिगम :-

अनौपचारिक अधिगम से तात्पर्य उन कौशलों व ज्ञान की प्राप्ति से है जो यह नाटक शिक्षण के माध्यम से प्राप्त करते हैं। अनौपचारिक अधिगम के ज्ञान व सीख सीधे तौर पर पाठ्यक्रम से संबंधित न होकर व्यक्ति व उसके जीवन से संबंधित ज्ञान, अनुभव व कौशलों की प्राप्ति से है। जो विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास में सहायक है। जैसे:-

1) समस्या समाधान कौशल का विकास,
2) निर्णय लेने की योग्यता का विकास
3) शाब्दिक व अशाब्दिक संप्रेषण का विकास,
4) रचनात्मकता का विकास,
5) संज्ञानात्मक विकास,
6) भावात्मक विकास,
7) सहयोग के भाव का विकास,
8) सामाजिक विकास,
9) नैतिक विकास
10) भाषाई कौशलों का विकास,
11) अभिनय कौशल का विकास,
12) प्रस्तुतीकरण की योग्यता,

आदि का विकास होता है जो बच्चे का allround Development करता है। और विद्यार्थियों के लिए

अधिगम सरल, स्पष्ट, सुगम, स्थाई, मनोरंजक, वैचारिक, व रूचिकर बन जाता है।

Special childrens with their special Needs :-

Drama and art Based teaching - learning process एक Special process है जो निस्संदेह Special childerens की Special Needs को fullfill करता करता है।

70 से कम आई-क्यू (I.Q) level के बच्चे धीमी गति से सीखने वाले बच्चे व 140 से अधिक I.Q. level वाले प्रतिभाशाली बच्चों को विशिष्ट विद्यार्थियों की श्रेणी में रखा जाता है और अधिगम की दृष्टि से भी उनकी विशिष्ट आवश्यकताएँ होती हैं। जो सामान्य बच्चों से अलग होती है इसीलिए उनके लिए विशेष प्रशिक्षित अध्यापक व विशेष शिक्षण विधियाँ भी जरूरी हो जाते हैं जो इनकी विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति कर इनके लिए अधिगम अनुकूल वातावरण तैयार कर सके।

Drama based teaching व कलात्मक दृष्टि से शिक्षण इन Special childrens के लिए फायदेमंद रहता है। क्योंकि धीमी गति से सीखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह प्रत्यक्षीकरण पर आधारित अधिगम के अवसर पेश करता है, वहीं दूसरी ओर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए नाटक के मूल व केंद्र में छिपे विचार, संदेश व भावों को समझने के लिए चिंतन व तर्क आधारित अधिगम के भी अवसर देता है।

Scanned with CamScanner

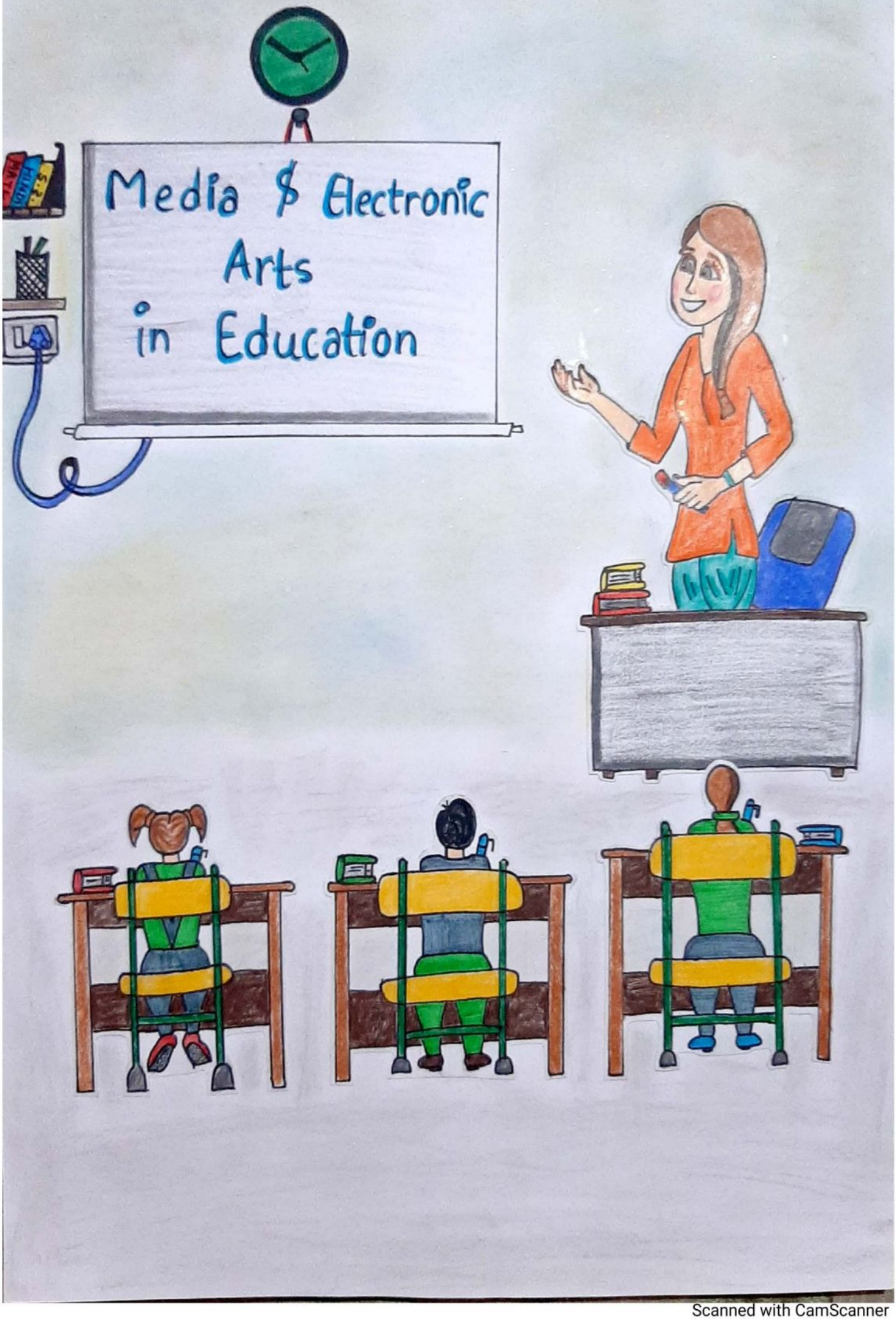

Scanned with CamScanner

Media & Electronic Arts

Electronic Media से तात्पर्य ऐसे माध्यम या कला से है जो विद्युत ऊर्जा पर आधारित हो। जैसे - T.V, Radio, Computer, internet etc. जबकि...

Media व Electronic art से तात्पर्य ऐसी कला से है, जिसमें electronic media का इस्तेमाल होता है, जिसका संबंध digital art, electronic art, computer art आदि से है।

Electronic व media art कला का वह हिस्सा है, जिसने पाठ्यक्रम को आधुनिक व प्रभावशाली बनाने में मदद की है। अर्थात् आधुनिक समय में आधुनिक विद्यार्थियों की आधुनिक आवश्यकताओं के लिए आधुनिक शिक्षण सामग्री के रूप में media व electronic art को समझा जा सकता है।

Media and Electronic art in School education? →

विद्यालयी स्तर पर media and electronic art से अभिप्राय एक आधुनिक व तकनीकीपूर्ण Audio-visual aid से है। जिसके द्वारा अध्यापक के लिए शिक्षण सरल बन जाता है और विद्यार्थियों के लिए अधिगम सरल बन जाता है। साथ ही शिक्षक व अध्यापक दोनों के लिए परिणाम लाभप्रद मालूम होते हैं।

दूसरी ओर देखा जाए तो, आज के तकनीकी युग के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए media and electronic art को शिक्षा में शामिल करना जरूरी भी होता जा रहा है। ताकि समय की माँग के अनुकूल अधिगम को प्रभावित किया जा सके।

Scanned with CamScanner

- Biotech Art
- Computer Art
- Digital Art
- Electronic Art
- Interactive Art
- Multimedia Art
- Animation Art
- Sound Art
- Video Art

- Tablets
- T.V. Screen
- projector
- Leptop
- Computer

MEDIA FOR THESE ART FORMS

Scanned with CamScanner

Range of art activities in Media & Electronic art forms

Media & electronic art एक विस्तृत सम्प्रत्यय है, परंतु इस सम्पूर्ण में शामिल अंश कलाएँ हैं जो शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया को सुगम बनाने हेतु इस्तेमाल किए जाते हैं जैसे :-

- ☆ Biotech Art
- ☆ Computer Art
- ☆ Digital Art
- ☆ Electronic Art
- ☆ Interactive Art
- ☆ Multimedia Art
- ☆ Animation Art
- ☆ Sound Art
- ☆ Video Art

etc.

उपरोक्त तकनीकीपूर्ण कलाओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए अर्थात् माध्यम की आवश्यकता होती है जैसे :-

Electronic Media

- ☆ Computer
- ☆ Laptop
- ☆ Projector

etc. जैसे उपकरणों के माध्यम से electronic art को विद्यार्थियों तक decode करके पहुँचाया जाता है।

Scanned with CamScanner

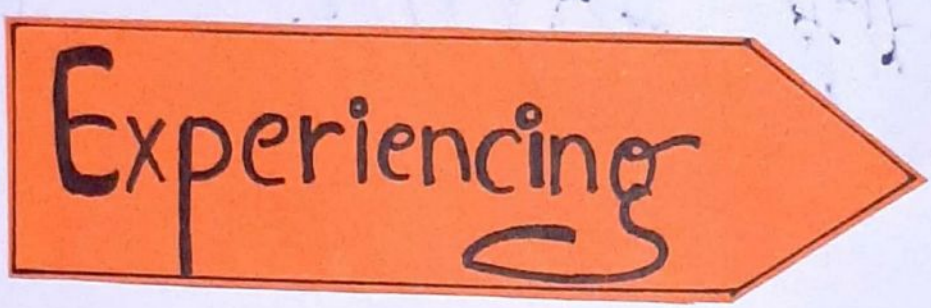

Scanned with CamScanner

Experiencing, Responding and Appreciating media and electronic Arts

Experiencing

media व electronic art के माध्यम से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया करवाई जाती है, उससे विद्यार्थी व शिक्षक दोनों ही एक नए अनुभव से गुजरते है जैसे :-

- ☆ बिना किसी teaching aid के सहारे पढाये जाने वाले विद्यार्थी मात्र उपविषय को पढते है परन्तु media व electronic art के माध्यम से विद्यार्थियों को उपविषय को अनुभव करने (देखने व सुनने) का अवसर मिलता है।
- ☆ विद्यार्थी आधुनिक तकनीकों का अनुभव करते है।
- ☆ विद्यार्थी नई मशीनों के शैक्षिक संदर्भों के प्रति अनुभव प्राप्त करते है।
- ☆ शिक्षकों द्वारा भी अपने शिक्षण को अधिक से अधिक प्रभावशाली बनाने की कोशिश मे नए और आधुनिक माध्यमों के अनुभव ग्रहण किए जाते है।

Responding

media and electronic art के Responce से तात्पर्य है कि विद्यार्थियों ने जो अनुभव व अधिगम media and electronic art के माध्यम से अधिगम मे प्राप्त किया है उसके एवज मे विद्यार्थियों के व्यवहार मे क्या और किस तरह के परिवर्तन आए है और उनकी प्रतिक्रिया किस प्रकार की है।

Scanned with CamScanner

विद्यार्थियों के द्वारा की जाने वाली प्रतिक्रिया ही उनके व्यवहार परिवर्तन, अनुभव, अधिगम आदि का मूल्यांकन व media and electronic art in teaching & learning की सफलता व असफलता की प्रतिपुष्टि होती है। एक अध्यापक का प्रयास सदैव किसी भी शिक्षण विधि या सहायक सामग्री के प्रयास की सफलता की ओर ही होता है और होना चाहिए।

Appreciating

प्रत्येक वह विधि या सहायक सामग्री को सराहना मिलती है जो child centered education के लिए हितकारी साबित हो। निस्संदेह! media and electronic art के माध्यम से विद्यार्थी जल्दी सीखते हैं क्योंकि -

- विद्यार्थी प्रत्यक्षीकरण के माध्यम से सीखते हैं।
- विद्यार्थी नई तकनीकों के प्रति आकर्षित होते हैं।
- वे रुचिपूर्ण ढंग से सीखते हैं।
- विद्यार्थी मानसिक रूप से सक्रिय होते हैं।
- उनमें electronic media के इस्तेमाल के प्रति जिज्ञासा होती है।

इसीलिए ही इनके माध्यम से न केवल विद्यार्थी जल्दी ही सीखते हैं अपितु उनका ज्ञान स्थाई भी होता है। इसी कारण इस तरह की कलाओं व उनके माध्यम से शिक्षण को सराहा जाता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Media and electronic art; Facilitating interest among Students, planning and implementing activities

media and electronic art में विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाने व उनकी अधिगम स्तर को बढ़ाने के लिए एक सुव्यवस्थित तरीका होता है जिसके अनुसार शिक्षण का नियोजन इस प्रकार किया जाता है जिसमें media and electronic art का सहयोग हो और तत्पश्चात ही उसे कक्षा में सुनियोजित रूप से प्रस्तुत किया जाता है मनोवैज्ञानिकों व शिक्षाविदों का भी यही मानना है कि शिक्षण का पूर्व नियोजन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावशाली बनाता है।

PLANNING

Pre-active phase :-

यह वह प्रक्रिया है जिसमें शिक्षण से पूर्व pre active phase शिक्षण से पूर्व नियोजन व तैयारी की जाती है जहाँ तक सवाल है media and electronic art का नियोजन का तो अध्यापक इस स्तर पर बहुत से तैयारी व नियोजन करता है जो उसे शिक्षण के उद्देश्यों को शत-प्रतिशत प्राप्ति करवा सकें। जैसे :-

- शिक्षण के सामान्य व विशिष्ट उद्देश्य क्या होंगे?
- वह कौन से media and electronic art का इस्तेमाल शिक्षण में करेगा कि उपविषय के अनुकूल भी हो और उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित भी करता हो।
- वह media and electronic art के इस्तेमाल के कक्षा में पर्याप्त स्थान व सुविधा (बिजली) है की नहीं।

* शिक्षक प्रस्तुतीकरण से पूर्व media को इस्तेमाल करके देख लेता है कि क्या वह उसे चला पारहा है? और कहीं उपकरण में कोई त्रुटि न हो? ताकी कक्षा बीच में बाधित न हो।
* अध्यापक पूर्वअभ्यास के बाद ही कक्षा में media का इस्तेमाल करता है।

Interactive Phase :- IMPLEMENT

interactive phase कक्षा में प्रवेश करने से लेकर बाहर निकलने तक होता है। अर्थात् प्रस्तुतीकरण के दौर को interactive phase कहा जा सकता है।

यह implement का समय होता है जो planning का अनुसरण करता है और अध्यापक प्रयास करता है:-

* media and electronic aid को ठीक उसी प्रकार इस्तेमाल कर सके जैसा उसने पूर्व नियोजन में तय किया था।
* विद्यार्थियों के लिए शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया को रोचिकर बना सके।
* अध्यापक का प्रस्तुतीकरण ऐसा हो, अधिकाधिक या शत प्रतिशत विद्यार्थी कक्षा में सक्रिय रहें।
* कक्षा का वातावरण नीरस न होने पाए अपितु सरस रहे। अथवा जीवंत रहे।
* विद्यार्थियों में उपविषय के प्रति ज्ञान का संचय हो, बोध हो और उसके प्रति प्रयोग की जिज्ञासा उत्पन्न हो।
* विद्यार्थी करके सीखना के सिद्धांत का अनुसरण करें।
* विद्यार्थियों में electronic माध्यमों के प्रति शैक्षिक उपयोगिता का संचयन हो।
* पूर्वनियोजित उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके।
* विद्यार्थियों में सामूहिक अध्ययन की प्रणाली का विकास हो।

इत्यादि। उपरोक्त प्रस्तुतीकरण के बाद शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन करता है और वही मूल्यांकन (Post active phase) media and electronic aid के शिक्षण में उपयोगिता की प्रतिपुष्टि के रूप में होता है और शिक्षक को वांछित परिवर्तन के लिए मौका देता है जो विद्यार्थियों के सुविधा क्षेत्र व उद्देश्यों की पूर्ति के और दिशा में जाता है। एक तरह से post active phase को अध्यापक के लिए निर्देशन कहा जा सकता है।

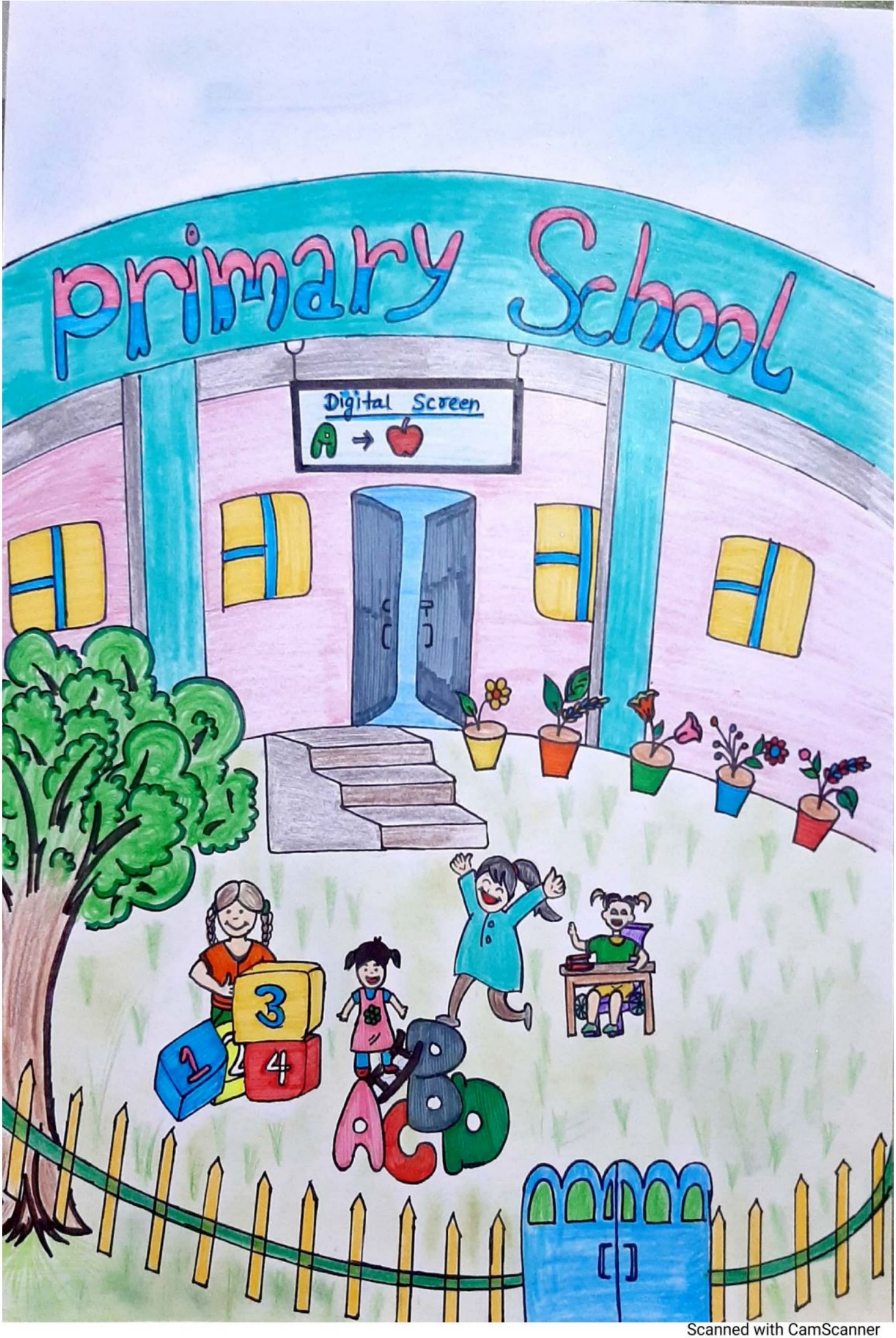

Scanned with CamScanner

Enhancing Learning Through media and electronic art for children with and without Special Needs : Strategeis and Adaptation

Media and electronic art को Modern teaching Aid के रूप में भी देखा जाता है। इसे शिक्षाशास्त्र के अधीन सुनियोजित ढंग से इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही विद्यार्थियों के लिए अधिगम को स्थायी, स्पष्ट व प्रत्यक्ष बनाने का प्रयास किया जाता है।

Electronic and media art, audio-visual art and Aid का हिस्सा है। जो विद्यार्थियों की ज्ञानेन्द्रियों को प्रभावित करता है और सौन्दर्य की अनुभूति करवाते हुए ज्ञान को भी प्रत्यक्ष करता है साथ ही ज्ञान को कलात्मक व वैज्ञानिक बनाता है।

Primary Stage :-

प्राथमिक स्तर पर विद्यार्थियों के लिए बहुत हद तक तक media and electronic art उपयोगी नहीं होती क्योंकि उनका मानसिक विकास इतना नहीं हो पाता की तकनीकी माध्यमों को कुशलता से समझ सकें। परन्तु...

media and electronic art के कुछ गुण जैसे-

Scanned with CamScanner

आकर्षित, प्रत्यक्षीकरण, रंगीन, मानविय नियंत्रण आदि प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों को इनके प्रति आकर्षित अवश्य करते हैं।

Secondary Stage :-

माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों का मानसिक विकास इतना हो चुका होता है कि वह इन माध्यमों के उपयोग के प्रति जिज्ञासु होते हैं, इनके प्रत्यक्षीकरण के माध्यम से विषयों - उपविषयों के मूल विचार व संदेश को समझते हैं। और साथ ही विद्यार्थी - अभ्यास, स्वाध्याय, आदि के लिए प्रेरित होते हैं।

इस प्रकार के कला के माध्यम से अधिगम उनके लिए अधिक रुचिकर, मनोरंजक, व आकर्षक होता है जो उन्हें स्वयं ज्ञान का रचियेता बनने मे भी सहायता करता है। और उनमे कई कुशलताओं का विकास होता है। जैसे :-

- विद्यार्थियों मे स्वाध्याय की आदत का विकास होता है।
- विद्यार्थियों मे आधुनिक उपकरणों के इस्तेमाल की योग्यता का विकास होता है।
- विद्यार्थी विषय व उपविषय को तकनीकीपूर्ण ढंग से समझने मे योग्य बनते हैं।
- विद्यार्थियों मे media व electronic art के माध्यमो व उनके उपकरणों की शैक्षिक उपयोगिता के प्रति जानकारी का विकास होता है।
- नए - नए उपकरणों से परिचित होने व उनके कुशल उपयोग की योग्यता का विकास होता है।
- विद्यार्थी रुचिकर अध्ययन करने मे समर्थ होते हैं।
- विद्यार्थी अपनी समय व सुविधानुसार उपकरणों व media art का इस्तेमाल कर पाते हैं।

Special childrens with their special Needs :-

सामान्य बालकों से भिन्न आवश्यकता वाले विद्यार्थियों जो प्रतिभाशाली व मंदबुद्धि बालकों को विशिष्ट विद्यार्थियों की

Scanned with CamScanner

श्रेणी में रखा जाता है।

जहाँ एक तरफ media and electronic art के माध्यम से सामान्य बालकों में कई कौशल विकसित किए जा सकते हैं वहीं विशिष्ट बच्चों के लिए इनके इस्तेमाल या सहायता से उनके अधिगम को आसान बनाने का प्रयास किया जाता है और उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को मद्देनजर रखा जाता है ताकि वह अपनी Comfort zone में रहकर शिक्षा ग्रहण कर सकें।

Special Childrens

मंदबुद्धि बालक

electronic and Media art मंदबुद्धि बालकों की ज्ञानेंद्रियों को प्रभावित करें यही शिक्षक का प्रयास होता है जिसके लिए वह प्रत्येक कला के रूप में ऐसे रंग, शब्द, अक्षरों का आकार व रूप का चुनाव करता है जो सीधे विद्यार्थियों को सौंदर्य की अनुभूति करवाए और media art के माध्यम से उपविषय से विद्यार्थियों का संबंध स्थापित कर पाए।

इस प्रकार अध्यापक उनके मस्तिष्क में ज्ञान को अधिगम को स्थायी करने का प्रयास करता है।

परंतु

किसी भी media art या अन्य teaching aid का इस्तेमाल किस प्रकार किया जाए इसके लिए मंदबुद्धि बालकों या विशिष्ट बालकों की आवश्यकताओं का समझना व प्रशिक्षित अध्यापकों का होना बेहद

प्रतिभाशाली बालक

जितना मंदबुद्धि बालकों की आवश्यकताएँ सामान्य बालकों की तुलना में विशिष्ट होती हैं उतनी ही प्रतिभाशाली बालकों की आवश्यकताएँ भी सामान्यों की तुलना में विशिष्ट होती हैं और अध्यापक को चाहिए कि प्रतिभाशाली बालकों की इन आवश्यकताओं को समझे और शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाए।

प्रतिभाशाली बालक electronic art के माध्यम से विषय को तो भली भाँति समझते ही हैं साथ ही उनमें इन नए उपकरणों के इस्तेमाल व नवीन जानकारी के प्रति जिज्ञासा होती है और उनकी इस जिज्ञासा को शांत करने के लिए अध्यापक को उस विषय, उपकरण व media art के प्रति जानकारी होना पड़ता है।

अध्यापक को चाहिए कि वह उस विशिष्ट उपकरण के प्रति पूर्व अभ्यास, पूर्व ज्ञान इस

Scanned with CamScanner

आवश्यक है।

प्रकार हासिल कर ले कि विद्यार्थियों की जिज्ञासा शांत कर सके।
साथ ही उन्हें media and electronic devices के educational uses के संबंध में एवं उनकी उपयोगिता के संबंध में जानकारी दे और उनके लिए आधुनिक अधिगम व स्वाध्याय के लिए मार्गदर्शन करे

परंतु

इसके लिए भी अध्यापक का प्रशिक्षित होना व संबंधित media पर अधिकार होना आवश्यक है।

अतः सामान्य बालक हो या विशेष बालक प्रत्येक विद्यार्थी की आवश्यकताओं को समझना व उनकी आवश्यकताओं के अनुकूल शिक्षा देने की गवाही Today's child centered education देती है और media व electronic aid का इस्तेमाल विद्यार्थियों के बौद्धिक स्तर के अनुकूल ही किया जाना चाहिए अन्यथा उसकी न तो कोई प्रासंगिकता होती है न ही शिक्षण उद्देश्य प्राप्त किए जा सकते है। एक अच्छा शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया वही है जो मनोवैज्ञानिक है अर्थात् विद्यार्थियों की व्यक्तिगत आवश्यकता के अनुकूल है।

Scanned with CamScanner

DANCE

- Kuchipudi dance
- Manipuri dance
- Odissi dance
- Kathakali dance
- Kathak dance

Scanned with CamScanner

Topic _____ Date _____

Dance

नृत्य प्रदर्शनात्मक कला का एक हिस्सा है, जो music, instrument, drama, acting, gesture, posture, makeup, customs जैसे कई कलाओं को अपने अंदर समाए हुए है। जहाँ तक "शास्त्रीय डेवेश" अर्थात् classical dance की बात है तो अलग विद्वानों ने इनकी संख्या अलग - अलग बताई है। जो मुख्यतः भारत की बहुरंगी संस्कृति का बखान करते है।

Dance and Secondary education

माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के मनोवैज्ञानिक स्तर के अनुकूल सामाजिक विज्ञान के तमाम विषय उसके पाठ्यक्रम का हिस्सा बन जाते है जो किसी न किसी मायने में विद्यार्थी के सामाजिक विकास का जरिया बनते है।

उसी प्रकार शास्त्रीय नृत्यों को पाठ्यक्रम से जोड़ने तथा औपचारिक या अनौपचारिक रूप से अन्य सहायक गतिविधियों मसलन सांस्कृतिक प्रोग्राम, प्रतियोगिताएं आदि के माध्यम से शामिल किए जाने से:-

- ☆ विद्यार्थियों का सामाजिक विकास होता है,
- ☆ सांस्कृतिक विकास होता है
- ☆ अलग क्षेत्र की संस्कृति के बारे में ज्ञानात्मक पक्ष मजबूत होता है
- ☆ क्षेत्रीय इतिहास एवं उसके विकास से परिचित होते है,
- ☆ नृत्य के कथात्मक व dramatic स्वरूप से परिचित होते है,
- ☆ नृत्य के अध्यात्मिक रूप से परिचित होते है,
- ☆ भारतीय संस्कृति की धरोहर के लिए उनके मन में आदर व सम्मान का भाव का संचय होता है,
- ☆ नृत्य के साथ संगीत, भूमिका, कहानी कहना, वस्त्राभूषण, संगीत आदि के महत्व से परिचित होते है।
- ☆ महान नृत्यकारों के बारे में पता चलता है।

Scanned with CamScanner

KUCHIPUDI

Scanned with CamScanner

Kuchipudi DANCE

Kuchipudi dance का उद्भव भारत में आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में स्थित एक गाँव से हुआ, यहाँ के पुरुष ब्राह्मणों द्वारा Kuchipudi नृत्य की प्रस्तुति की जाती थी।

Kuchipudi नृत्य के साक्ष्य 10 वीं शताब्दी के Copper insaphion से मिलते हैं और उसके बाद 1500 AD के आसपास Vijayanagara empire से Kuchipudi dance के उपस्थिति के साक्ष्य मिलते हैं।

साक्ष्यों के अनुसार Sidhendra yogi वह पहले व्यक्ति थे जिन्होंने Kuchipudi नामक नृत्य शैली का विकास किया यह शैली नाट्यशास्त्र पर आधारित थी, जो ब्राह्मण पुरुषों द्वारा मंदिरों में प्रस्तुत की जाती थी। परंतु चेदान्तम् लक्ष्मीनारायण शास्त्री को Kuchipudi dance Style में कुछ परिवर्तन के लिए जाना जाता है, इन्होंने Kuchipudi dance में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की।

Kuchipudi नृत्य मुख्य रूप से Vaisnaism पंथ से उभरा है जो मूल रूप से भगवान कृष्ण को समर्पित है। लेकिन 18 वीं शताब्दी आते-आते Shaivism में भी Kuchipudi प्रदर्शनी को शामिल किया गया और Kuchipudi dance एक धार्मिक विचारों व ईश्वर के प्रति प्रेम दिखाने का उसकी अभिव्यक्ति का माध्यम बन गया।

Kuchipudi नृत्य अपने वस्त्रशैली, आभूषण, अंग संचालन, मुद्राओं व नृत्य प्रस्तुति के लिए प्रसिद्ध है और कई बार इसे ओडीसा के Odissi व तमिलनाडु के Bharatnatyam का सम्मिश्रण के रूप में भी देखा जाता है।

Scanned with CamScanner

MANIPURI

ODISSI

Scanned with CamScanner

Manipuri DANCE

Manipuri dance भारत में स्थित उत्तर-पूर्व का एक राज्य मणिपुर का classical dance है। जो मुख्यतः धार्मिक दृष्टि से अध्यात्मिक अनुभव व मोक्ष के लिए प्रस्तुतिकृत किया जाता है।

शुरुआत में manipuri dance style केवल देवालयों व मंदिरों में ही प्रस्तुत किया जाता था, परन्तु 20th century आते आते manipuri dance ने मंच पर अपना स्थान बना लिया, और अब manipuri dance न केवल devotion अपितु मणिपुर का cultural identity भी बनने लगा।

मणिपुरी नृत्य कृष्ण, राधा, गोपियों का नृत्य है जो राधा व कृष्ण के दिव्य व अपार प्रेम को समर्पित है, इसीलिए यह मुख्यतः मंदिरों के मंडप क्षेत्र में रात्रि में प्रस्तुत मुख्यतः संध्या के समय प्रस्तुत किया जाता था।

Odissi DANCE

Odissi dance style भारत के पूर्वी तट पर स्थित उड़ीसा नामक राज्य से उभरा नृत्य है। जिसे बाकी नृत्य शैलियों की तरह मंदिरों में प्रस्तुत किया जाता था। उड़ीसी नृत्य की मुख्यतः दो शैली है एक पुरुषों द्वारा प्रस्तुत की जाती है, और दूसरी महिलाओं द्वारा

इतिहास की दृष्टि से उड़ीसी नृत्य शैली के माध्यम से महिलाएँ अपने religious, spiritual, devotional, mythological,

Scanned with CamScanner

KATHAKALI

Scanned with CamScanner

Stories and ideas को प्रस्तुत करती थी → उड़ीसी नृत्य मुख्य रूप से Vaishnavism से प्रभावित है जिसे उड़ीसा में जगन्नाथ स्वरूप में पूजा जाता था। जबकि आंशिक रूप से बाद में उड़ीसी नृत्य Shaivism व Shaktism के विचारों के प्रदर्शनी के माध्यम भी बनता चला गया।

Kathakali DANCE

Kathakali दक्षिण भारत में स्थित Kerala राज्य का Dance drama Style है। Kathakali का शाब्दिक अर्थ है "Story-play" और इसीलिए इसे dance drama भी कहा जाता है। Kathakali literary, music, dance, acting, painting आदि कलाओं का मिश्रण है। Kathakali का आकर्षण लिए नृत्यकारों का makeup व custom and jwellary होता है।

Kathakali के top five elements हैं:-

Expression – नाट्यम्

Dance – नृत्यम् (Component of dance is hand and leg movements)

Enactment – नृत्यम (elements of drama - mudras of hands - (Total 24))

Song – गीता (in manipravalam language)

instruments – वाद्यम्

KATHAK

Scanned with CamScanner

Kathak DANCE

Kathak उत्तरभारत का classical dance है, कथक शब्द संस्कृत के "कथा" शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ है कहानी और इस प्रकार kathak performer अर्थात् kathakar का मतलब है कहानी कहने वाला कहानीकार यानी storyteller.

इस प्रकार kathak dance style music, dance, expression, gesture, posture के माध्यम से कहानी कहने की प्रदर्शनात्मक कला है। यह Hindu mythology से जुड़ी कहानियाँ सुनाने के प्रयास से संबंध रखता है। यह कथाएं खासकर वैष्णववाद व Lord Krishna से जुड़ी थी

शुरुआती समय में north india के Nagara temples में kathak की प्रस्तुति के साक्ष्य मिलते है मगर medival period आते-आते राजदरबारों में कथक स्थान लेता चला गया और प्रत्येक घराना की अपनी कथक शैली होती थी। जैसे:-

Lucknow Gharana – Birju maharaj लखनऊ घराना के chief representative थे।

Jaipur Gharana – जयपुर घराना मुख्यतः जयपुर व राजस्थान में Kachchwaha kings के दरबार में विकसित हुई शैली थी।

Banaras Gharana – founder- jankiprasad इस कथक शैली के जन्मदाता थे

ALPHABETS

ANT

BEAR

CAT

DONKEY

EAGLE

FOOTBALL

Scanned with CamScanner

GIRAFFE

HAMMER

ICE CREAM

JEANS

KITE

LEAF

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

SUN

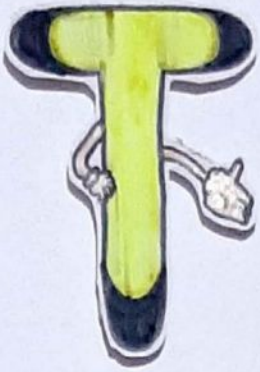

TEETH

UNDERWEAR

VAN

WELL

XMAS TREE

Scanned with CamScanner

YAK

ZEBRA

Scanned with CamScanner

COUNTING

1

2

3

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

8

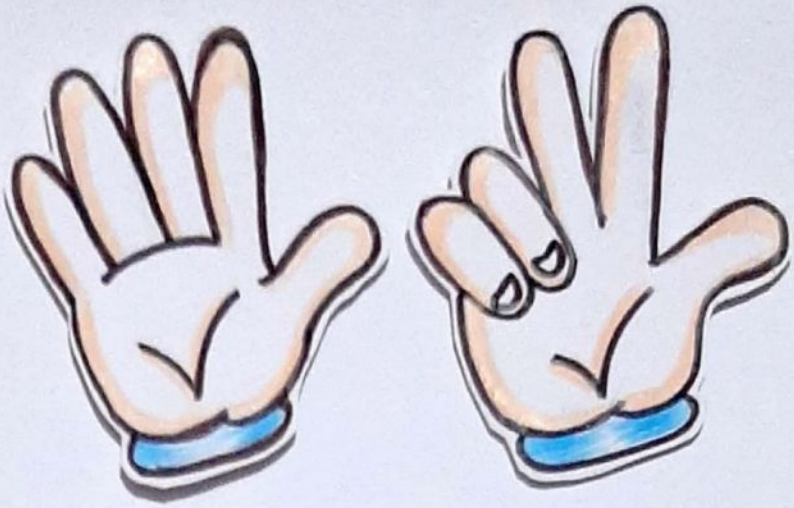

9

10

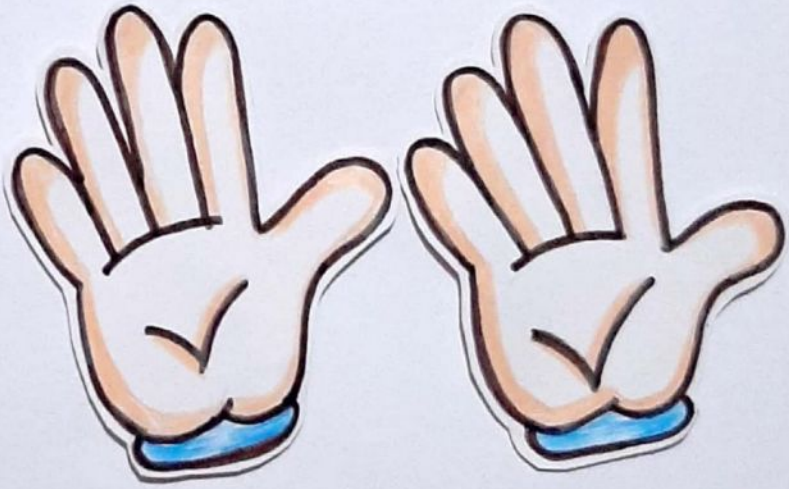

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

ए

एकतारा

ऐ

ऐनक

ओ

ओजार

औ

औढ़ना

अं

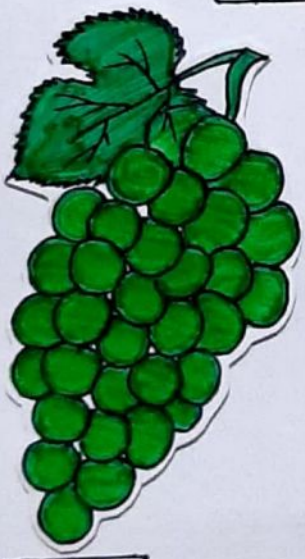

अंगूर

अः

व्यजनः

क

कबूतर

ख

खरगोश

ग

गुब्बारे

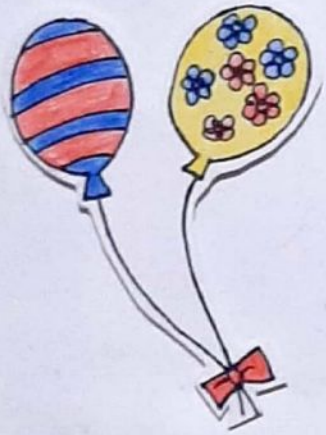

घ

घर

ङ

च

चप्पल

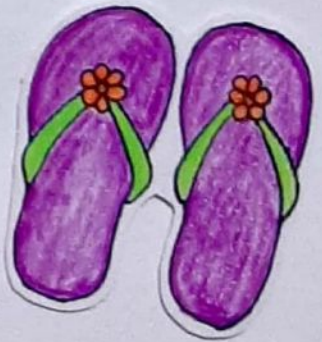

Scanned with CamScanner

छ

छतरी

ज

जहाज

झ

झंडा

ञ

ट

टमाटर

ठ

ठंडी

Scanned with CamScanner

ड

डमरु

ढ

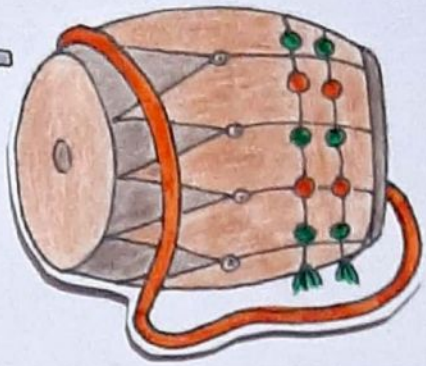

ढ़ोल

ण

त

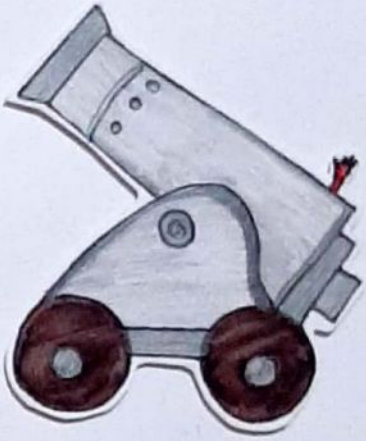

तोप

थ

थैला

द

दरवाजा

Scanned with CamScanner

ध

धनुष

न

नल

प

पानी

फ

फरवरी

ब

बच्चा

भ

भालू

Scanned with CamScanner

म

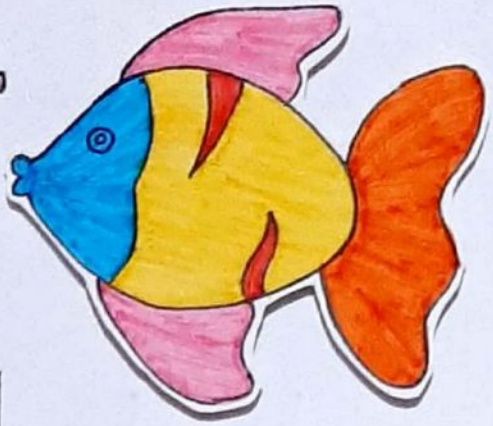

मछली

य

यात्री

र

रंगोली

ल

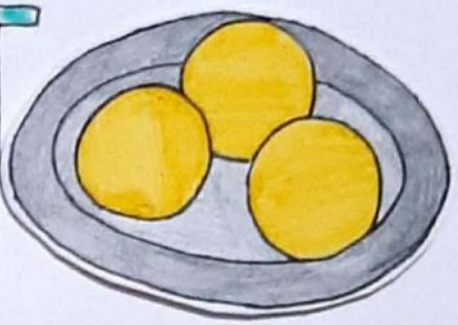

लड्डू

व

वर्णमाला

श

शहद

Scanned with CamScanner

ष

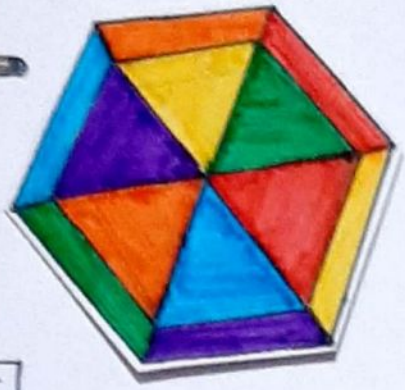

षटकोण

स

सफाई

ह

हंस

क्ष

क्षमा

त्र

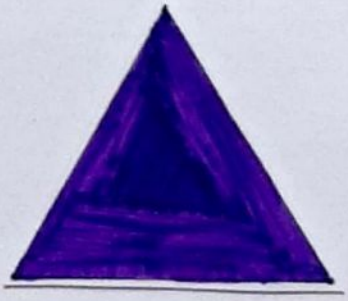

त्रिकोण

ज्ञ

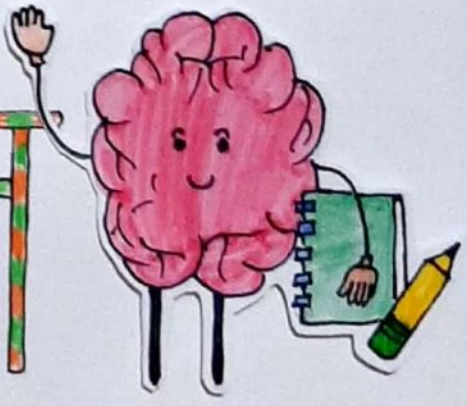

ज्ञान

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

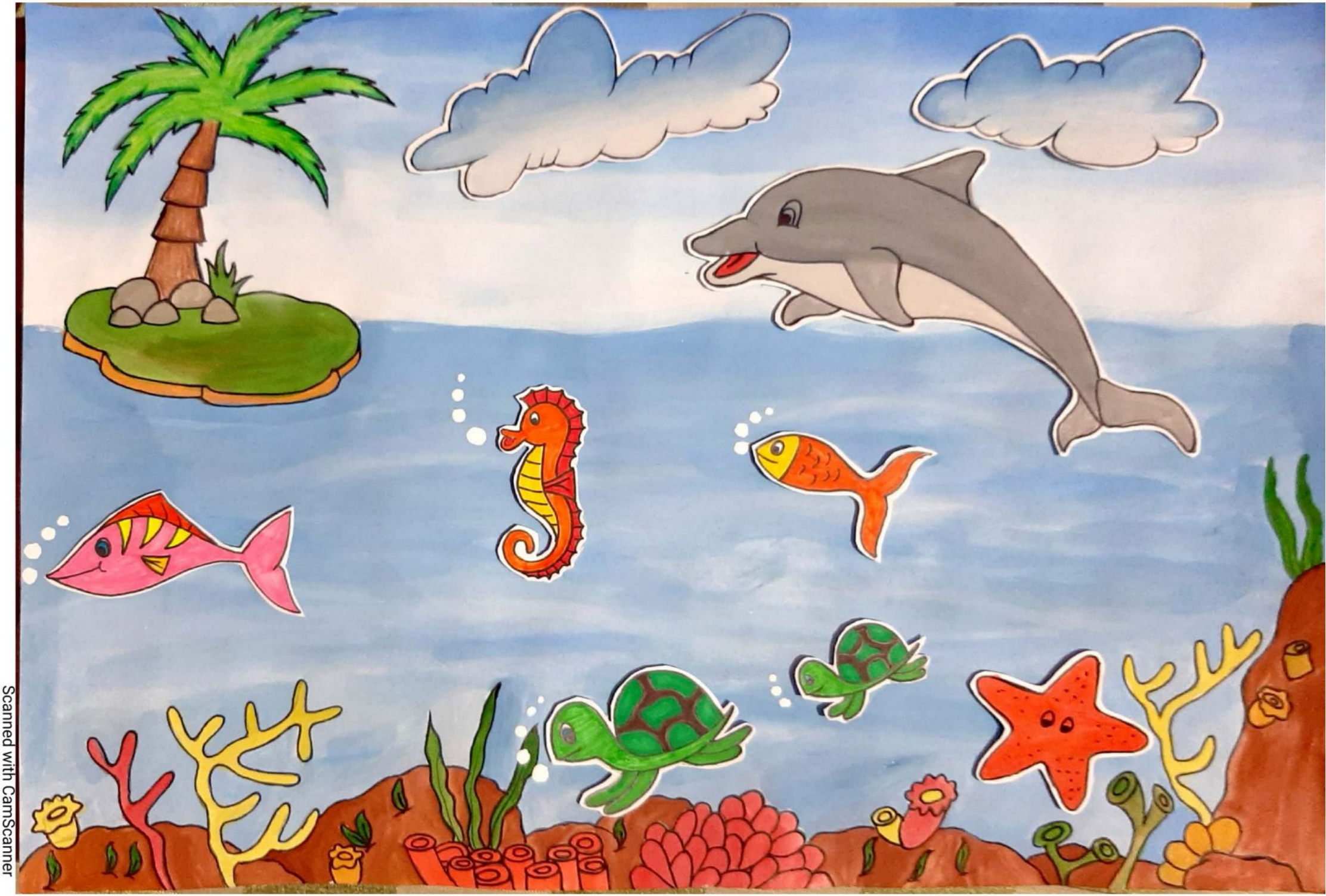

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Woolen Art

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

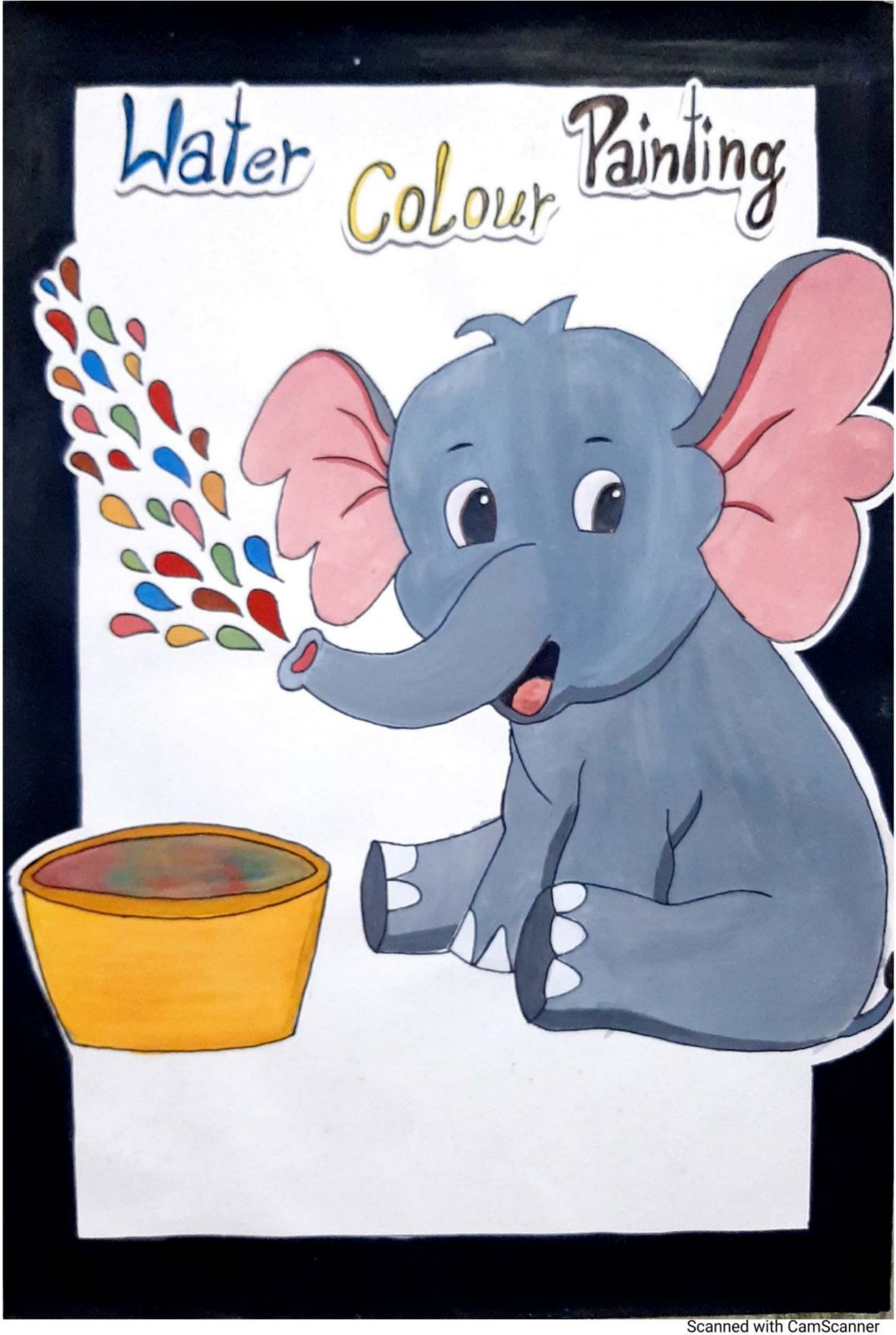

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner